देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 20 अंक: 345 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

# पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 13 मार्च 2026

**विचार–प्रवाह...**
प्रोटोकॉल का उल्लंघन

मौसम — अधिकतम 28.0° न्यूनतम 18.0°

82924.41

2 दुनिया के सब मुसलमानों एक हो

7 हार्दिक पांड्या मुश्किल में फंसे

# संकट से निपटने को लेकर पूरी तरह से तैयार

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। लोकसभा में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पश्चिम एशिया संकट के बाद देश में गैस की किल्लत के मुद्दे पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया के ऊर्जा इतिहास में शायद ही कभी ऐसा समय आया हो जैसा अभी पश्चिम एशिया के संकट के कारण देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति के लिए बेहद गंभीर मानी जा रही है। लोकसभा में मंत्री कहा कि मोदी सरकार की प्राथमिकता यह है कि भारत के 33 करोड़ परिवारों की रसोई में किसी भी प्रकार की (ईंधन की) कमी न हो।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने अपने बयान में कहा, श्होर्मुज से 20 प्रतिशत आवाजाही प्रभावित हुई है, 40 प्रतिशत कच्चा तेल दूसरे देश से आ रहा हैं। उन्होंने इस दौरान कहा कि हमारे पास पर्याप्त कच्चा तेल है। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि भारत की क्रूड सप्लाई पूरी तरह से सुरक्षित है और भारत में पेट्रोल–डीजल की किसी भी तरह की कोई दिक्कत नहीं, देश में अभी पर्याप्त गैस है। गैस की किल्लत को लेकर अफवाहों के बीच केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सीएनजी की सप्लाई 100 प्रतिशत जारी है, भारत में एलएनजी के कार्गो रोज आ रहे हैं। गैस सिलिंडर को लेकर किसी भी तरह से पैनिक होने की जरूरत नहीं है, पैनिक होने की वजह से डिमांड बढ़ी है।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने बताया कि देश में एलपीजी का उत्पादन 28 फीसदी बढ़ा है और देश लंबे समय तक इस संकट से निकटने को लेकर पूरी तरह से तैयार है। पेट्रोलियम मंत्री ने आगे कहा कि भारत अभी भी कनाडा, नार्वे और रूस से तेल ले रहा है और हमने गैस की कालाबाजारी को रोकने के निर्देश जारी किए है।

हरदीप पुरी ने संसद में कहा कि भारत इस संघर्ष का कारण नहीं है, लेकिन इसके असर से बच पाना भी संभव नहीं है। ऐसे हालात में भारत सरकार को ऊर्जा आपूर्ति, तेल की कीमतों और देश की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना होगा। सरकार लगातार स्थिति पर नजर रख रही है।

## राहुल गांधी के आरोपों का पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने दिया जवाब, लगे एपस्टीन के नारे

### लगभग बंद हुआ होर्मुज जलडमरूमध्य

पेट्रोलियम मंत्री ने बताया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद हो गया है। उनके अनुसार, दर्ज इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि यह समुद्री रास्ता व्यावसायिक जहाजों के लिए प्रभावी रूप से बंद जैसा हो गया है। यह वही मार्ग है जिससे दुनिया के बड़े हिस्से तक कच्चा तेल पहुंचता है।

### राहुल गांधी ने उठाया एलपीजी–तेल संकट का मुद्दा

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को ईरान–अमेरिका युद्ध की वजह से पैदा हुए तेल और एलपीजी संकट का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह तो बस अभी शुरुआत है। इसका बहुत बुरा असर होगा। राहुल गांधी ने एपस्टीन का भी जिक्र किया, जिसके बाद हंगामा मच गया। राहुल गांधी ने कहा, श्मिडिल ईस्ट में जंग छिड़ गई है। अमेरिका, इजरायल और ईरान जंग में हैं। इस जंग के बहुत बड़े नतीजे होंगे। सेंट्रल रास्ता, जहां से दुनिया का 20 फीसदी तेल बहता है, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, बंद हो गया है। इसका बहुत बुरा असर होगा।

### जयशंकर ने ईरानी विदेश मंत्री से तीन बार बात की

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री के बीच हाल के दिनों में तीन बार बातचीत हुई है। पिछली बातचीत में शिपिंग की सेफ्टी और इंडिया की एनर्जी सिक्योरिटी से जुड़े मुद्दों पर बात हुई थी। इसके अलावा मेरे लिए कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। हमारे विदेश मंत्री अपने ईरानी काउंटरपार्ट से बात कर रहे हैं और पिछले कुछ दिनों में तीन बार बातचीत हुई है। जहां तक युद्ध के असर की बात है, तो यह सबके सामने है। हम में से कई लोगों की जिंदगी पर इसका असर पड़ा है, सिर्फ हमारी ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के लोगों और देशों पर इसका असर पड़ा है।

## संक्षिप्त समाचार

### अफवाह फैलाने वाले लोगों पर नजर रखने के निर्देश

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज** नई दिल्ली। नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ईरान और इस्राइल–अमेरिका के टकराव से उपजे तनावपूर्ण हालात पर भारत सरकार लगातार नजर रख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी सिलसिले में आज कैबिनेट की बैठक की। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि पीएम मोदी ने कैबिनेट मंत्रियों को अफवाहों पर कड़ी नजर बनाए रखने का निर्देश दिया है।

### होर्मुज में छूटे अमेरिका के पसीने

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। अमेरिकी नौसेना अभी होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों को निगरानी करने के लिए तैयार नहीं है। यह जानकारी अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने दी है। क्रिस राइट के अनुसार, सेना का तात्कालिक ध्यान ईरान की आक्रामक क्षमताओं के खिलाफ अभियानों पर केंद्रित है। क्रिस राइट ने कहा, यह अपेक्षाकृत जल्द ही होगा, लेकिन अभी नहीं हो सकता। हम अभी तैयार नहीं हैं।

# हर मौत का लेंगे बदला, खाड़ी देशों पर भी जारी रहेंगे हमले

## यूएस–इस्राइल से जंग के बीच मोजतबा खामेनेई का पहला बयान

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

तेहरान। ईरान के नए सर्वोच्च नेता आयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी जंग के बीच अपना पहला बयान जारी किया, जिसे गुरुवार को सरकारी टेलीविजन पर एक समाचार एंकर ने पढ़ा। खामेनेई खुद कैमरे पर नजर नहीं आए। लेकिन उनके बयान को पूरे देश में दिखाया गया।

बयान में खामेनेई ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का इस्तेमाल ताकत के रूप में किया जाना चाहिए और खाड़ी के अरब पड़ोसी देशों पर हमले जारी रहेंगे। पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच यह उनका पहला संदेश है। मोजतबा खामेनेई के सार्वजनिक रूप से दिखाई न देने पर कई रिपोर्ट्स में बताया गया था कि उन्हें युद्ध के दौरान शुरुआती हमलों में चोटें आई थीं। शुरुआती अमेरिकी और इस्राइली हवाई हमलों में उनके पिता पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्य मारे गए थे।

बयान में उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अपने पड़ोसी देशों के साथ मित्रता चाहता है और अब केवल अमेरिका के ठिकानों को निशाना बना रहा है, जिस पर हमले जारी रहेंगे। मोजतबा खामेनेई ने देश से एकजुटता आह्वान किया और कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद रखा जाएगा, ताकि ईरान के दुश्मनों पर दबाव बनाया जा सके। उन्होंने कहा, हम अपने शहीदों के खून का बदला लेंगे।

ईरान के नए सर्वोच्च नेता ने कहा कि जो लोग नुकसान झेल चुके हैं, उन्हें आर्थिक मुआवजा दिया जाएगा। घायल लोगों का मुफ्त इलाज किया जाएगा और मौजूदा स्थिति को संभालते हुए प्रभावित लोगों की मदद की जाएगी। उन्होंने देश की सेना का धन्यवाद किया और कहा कि उन्होंने ईरान को विभाजित होने या कब्जे में जाने से बचाया।

### होर्मुज की खाड़ी बंद रखने की धमकी दी

खामेनेई ने कहा, "प्यारे लड़ाकों भाइयों, जनता की मांग है कि एक असरदार और अफसोस पैदा करने वाला बचाव जारी रहे। होर्मुज की खाड़ी को बंद करने का तरीका भी जरूर इस्तेमाल होता रहना चाहिए। दूसरे फ्रंट खोलने पर भी स्टडी की गई है, जिनमें दुश्मन को कम अनुभव है और वे बहुत कमजोर होंगे। अगर जंग के हालात बने रहते हैं और जरूरत के हिसाब से उन्हें एक्टिवेट किया जाएगा।"

# देश के किसी भी पेट्रोल पंप पर तेल खत्म नहीं

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। तेल संकट को लेकर पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की ज्वाइंट सेकेट्री सुजाता शर्मा ने गुरुवार को बताया कि हम अपनी एलपीजी का लगभग 60 प्रतिशत इंपोर्ट करते हैं और इसका ज्यादातर, लगभग 90 प्रतिशत होर्मुज स्ट्रेट से आता है। यह एक मुश्किल स्थिति है, लेकिन सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को सप्लाई पक्का करने की पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि हम रोजाना 50 लाख सिलेंडर डिलीवर करते हैं। डिस्ट्रीब्यूशन साइड पर, किसी भी तरह की कमी की खबर नहीं है। लेकिन पैनिक की वजह से बुकिंग में कई गुना बढ़ोतरी हुई है। हम नागरिकों से पैनिक बुकिंग से बचने की अपील करते हैं। राज्य सरकारों से बेनिफिशियरी की लिस्ट पहचानने की रिक्वेस्ट की गई है ताकि सिलेंडर, कमर्शियल सिलेंडर की डिलीवरी प्रायोरिटी बेसिस पर की जा सके।

साथ ही, जहां भी इंपोर्ट मुमकिन है, वह भी एक्टिवली हो रहा है। शहरी घरों के लिए बुकिंग का समय 21 से 25 दिन कर दिया गया है। दूसरी जरूरी बात घरों को प्रायोरिटी देना है। दिल्ली सरकार के चीफ सेक्रेटरी के साथ बातचीत में यह तय किया गया है कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियां कुछ कमर्शियल सिलेंडर, 19 माह के सिलेंडर भी जारी करेंगी। लेकिन फिर राज्य सरकार या केंद्र शासित प्रदेश की भूमिका बहुत जरूरी है।

### राहत

■एलपीजी सप्लाई की चिंताओं के बीच सरकार का बयान

### सरकार हर मोर्चे पर ले रही एक्शन

पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू मार्केट में एलपीज सप्लाई डिमांड और सप्लाई दोनों के मैनेजमेंट पर निर्भर करती है। सरकार हर मोर्चे पर एक्शन ले रही है। जहां तक सप्लाई की बात है, हम कोशिश कर रहे हैं और हम अपने एलपीजी का घरेलू प्रोडक्शन बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development — All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding — 1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries) 2. Social Media 3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation — A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly. You tell us, we do it.
Contact: Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

# सदन से ऊपर नहीं नेता प्रतिपक्ष, पीएम भी नहीं

■अविश्वास प्रस्ताव गिरने पर स्पीकर ओम बिरला सदन में लौटे

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद आज पहली बार आसन पर आए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष का होना अत्यंत आवश्यक है और नेता प्रतिपक्ष को कभी नहीं रोका गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संसद के नियम सर्वोपरि हैं और कोई भी व्यक्ति नियम से ऊपर नहीं है, चाहे वह प्रधानमंत्री ही क्यों न हों।

ओम बिरला ने बताया कि सदन में पिछले दो दिनों में 12 घंटे से अधिक बहस हुई, ताकि सभी सदस्यों के विचार और चिंताएं सामने आ सकें। उन्होंने कहा यह सदन 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। यहां हर सांसद अपनी जनता की समस्याओं और अपेक्षाओं के साथ आता है। मैंने हमेशा कोशिश की कि हर सांसद नियमों के तहत अपनी बात रखे। मैं हर उस सांसद को बोलने के लिए प्रेरित करने का प्रयास करता रहा जो कम बोलते थे, क्योंकि बोलने से लोकतंत्र का संकल्प मजबूत होता है। हर सदस्य का आभारी हूं, चाहे वे आलोचक ही क्यों न रहे हों।

## न्यूज डायरी

### ईरान ने अमेरिका–इजरायल संघर्ष समाप्त करने की शर्तें बताई

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** तेहरान। ईरान और अमेरिका–इजरायल के संघर्ष में पिछले 13 दिनों से पश्चिमी एशिया सुलग रहा है। इस बीच ईरान की ओर से जंग को खत्म करने की दिशा में सुगबुगाहट शुरू हो चुकी है। ईरानी सरकार ने संघर्ष को खत्म करने के लिए तीन शर्तें बताई हैं। शर्तें बताते हुए ईरान के प्रेसिडेंट मसूद पेजेशकियन ने कहा कि किसी भी प्रस्ताव में ईरान के कानूनी अधिकारों को मान्यता दी जानी चाहिए और यह गारंटी दी जानी चाहिए कि देश पर भविष्य में हमले नहीं होंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, पेजेशकियन ने युद्ध के दौरान हुए नुकसान के लिए मुआवजे की भी मांग की। उन्होंने लिखा, रूस और पाकिस्तान के नेताओं से बात करके, मैंने इस इलाके में शांति के लिए ईरान के वादे को फिर से पक्का किया। यहूदी शासन और यूएस की ओर शुरू की गई इस लड़ाई को खत्म करने का इकलौता तरीका ईरान के कानूनी अधिकारों को मान्यता देना, हर्जाना देना और भविष्य में हमले के खिलाफ पक्की इंटरनेशनल गारंटी देना है। ईरानी राष्ट्रपति का युद्धविराम का ऑफर तब आया जब ईरान की सेना के प्रवक्ता अबोलफजल शेखरची ने सरकारी प्ए्ठ ज्ट को बताया कि अगर वाशिंगटन ने ईरानी पोर्ट सुविधाओं पर हमला किया तो फारस की खाड़ी में कोई भी पोर्ट, इकोनॉमिक सेंटर या जगह ईरान की पहुंच से बाहर नहीं होगी। सरकारी ज्ट के मुताबिक, सेना के प्रवक्ता अबोलफजल शेखरची ने कहा, अगर हमारे पोर्ट और डॉक को खतरा होता है, तो इस इलाके के सभी पोर्ट और डॉक हमारे असली टारगेट होंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरानी पोर्ट पर हमला होता है तो सेना अब तक किए गए ऑपरेशन से भी ज़्यादा बड़ा ऑपरेशन करेगी।

### नॉर्थ कोरिया ने वॉरशिप से क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नॉर्थ कोरिया। नॉर्थ कोरिया ने वॉरशिप से स्ट्रेटेजिक क्रूज मिसाइलों का टेस्ट किया है। अमेरिका और साउथ कोरिया मिलकर मिलिट्री अभ्यास कर रहे हैं। इसी पर जवाबी कार्रवाई की धमकी देते हुए नॉर्थ कोरिया ने इन मिसाइलों का टेस्ट किया है। नॉर्थ कोरिया के लीडर किम जोंग उन और उनकी टीनएज बेटी का इन मिसाइलों के टेस्ट को देखते हुए वीडियो सामने आया है। मिसाइलों के सफल परीक्षण के बाद किम जोंग उन की बेटी खुश नजर आती है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी की भेजी गई तस्वीरों में किम जोंग उन और उनकी बेटी को एक कॉन्फ्रेंस रूम में स्क्रीन पर देखते हुए दिखाया गया है। स्क्रीन पर चो ह्योन नाम के एक साल पुराने नेवी डिस्ट्रॉयर से मिसाइलें दागते हुए वीडियो चला। रिपोर्ट के मुताबिक, मिसाइलों ने नॉर्थ कोरिया के पश्चिमी तट के पास मौजूद टारगेट द्वीपों पर सटीक निशाना लगाया। एजेंसी ने किम जोंग उन के हवाले से कहा कि इन लॉन्च का मकसद नेवी की स्ट्रेटेजिक हमलावर क्षमता को दिखाना और सैनिकों को हथियार दागने का अभ्यास कराना था। किम जोंग उन की बहन और एक वरिष्ठ अधिकारी किम यो जोंग ने चेतावनी दी कि अमेरिका और साउथ कोरिया के बीच अभ्यास यह दिखाते हैं कि इनके मन में नॉर्थ कोरिया के प्रति कितनी गहरी नफरत भरी हुई है। उन्होंने कहा कि नॉर्थ कोरिया दुश्मनों को अपनी युद्ध रोकने की क्षमता का एहसास कराएगा।

### खामेनेई के खात्मे के बाद ईरान विस्फोटक, ट्रंप युद्ध से भागने को ढूंढ रहे बहाने

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** तेहरान। डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ चल रहे जंग से भागने के लिए जीतने का नैरेटिव फैला रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप की नीति हिटलर के सलाहकार गोएबेल्स की नीति अपनाने में माहिर हैं। वो अपने झूठ पर कायम रहते हैं और बार बार झूठ बोलते रहते हैं। ईरान के खिलाफ उनके जीत के दावे ऐसे ही हैं। वो किसी भी वक्त जंग खत्म करने का ऐलान कर सकते हैं। वाइट हाउस में इस युद्ध को खत्म करने की जो प्लानिंग बन रही है उसमें एकतरफा घोषणा की जाएगी की ईरान ने सरेंडर कर दिया है। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ का कहना है कि सिर्फ ट्रंप ही यह तय कर सकते हैं कि युद्ध शुरुआत में है, बीच में है या आखिर चरण में है। ऐसा लगता है जैसे उनके बॉस ही इस बढ़ते क्षेत्रीय विवाद के बीच असलियत तय करने वाले अकेले शख्स हैं। लेकिन ईरान के क्रांतिकारी नेता अमेरिका को रत्ती भर भी जीत का श्रेय लेने देने के मूड में नहीं हैं।

# मिडिल ईस्ट में जंग के बीच नहीं बढ़ेंगी पेट्रोल–डीजल की कीमतें?

**रिपोर्ट**

## राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने किया तेल भंडार खोलने का एलान

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान युद्ध के बीच तेल की कीमतों को काबू में करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। ऊर्जा विभाग ने गुरुवार को घोषणा की कि अमेरिका अपने स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व से 172 मिलियन बैरल तेल निकालेगा। यह फैसला राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि तेल की कीमतें कम करने के लिए रिजर्व से तेल निकाला जाएगा। ईरान के साथ चल रहे संघर्ष ने वैश्विक तेल आपूर्ति को बुरी तरह प्रभावित किया है। इससे कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं और पेट्रोल–डीजल महंगा हो गया है।

ट्रंप ने ओहियो में एक लोकल टीवी चौनल लोकल 12 को दिए इंटरव्यू में कहा, अभी हम इसे थोड़ा कम करेंगे और इससे कीमतें नीचे आएंगी। उन्होंने साफ संकेत दिया कि अमेरिका स्ट्रैटेजिक रिजर्व का इस्तेमाल कर पंप पर पेट्रोल की

कीमतों को राहत देगा। अमेरिका–इजरायल की ओर से 28 फरवरी को शुरू हुए हमलों के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई में खाड़ी इलाके में तेल से जुड़ी जगहों पर हमले किए और अमेरिका व उसके सहयोगियों के जहाजों को निशाना बनाया।

इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने भी बड़ा फैसला लिया है। इसकी 32 सदस्य देशों ने मिलकर रिकॉर्ड 400 मिलियन बैरल तेल अपने इमरजेंसी रिजर्व से बाजार में उतारने का ऐलान किया। यह अब तक का सबसे बड़ा समन्वित रिलीज है। अमेरिका इसमें सबसे बड़ा हिस्सा 172 मिलियन बैरल निकालेंगे। बाकी देश जैसे जापान, यूरोपीय राष्ट्र भी अपने रिजर्व से तेल निकालेंगे।

आईईए के इस बड़े ऐलान के बावजूद बाजार शांत नहीं हुआ। कच्चे तेल की कीमतें चार प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गई। व्यापारी और निवेशक अभी भी डरे हुए हैं कि संघर्ष लंबा खिंचेगा और होर्मुज स्ट्रेट बंद रहेगा। अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत पहले से ही बढ़कर 3.58 डॉलर प्रति गैलन पहुंच चुकी है और लगातार 11वें दिन बढ़ रही है।

ऊर्जा विभाग के अनुसार, अमेरिका से यह 172 मिलियन बैरल तेल निकालना अगले हफ्ते से शुरू होगा और इसे करीब 120 दिनों (चार महीने) में बाजार में उतारा जाएगा। अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट ने कहा कि यह कदम दुनिया को तब तक राहत देगा जब तक होर्मुज स्ट्रेट सुरक्षित नहीं हो जाता। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका इन रिजर्व को बाद में फिर भर देगा, करीब 200 मिलियन बैरल नए तेल से, वो भी बिना टैक्सपेयर के पैसे खर्च किए।

रॉयटर्स के मुताबिक, यूएस एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन की रिपोर्ट बताती है कि यूनाइटेड स्टेट्स के पास स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व में लगभग 415.4 मिलियन बैरल कच्चा तेल मौजूद है।

अमेरिका के पास इस सरकारी भंडार के अलावा, निजी कंपनियों का कमर्शियल रिजर्व के तौर पर लगभग 439.3 मिलियन बैरल तेल भी मौजूद है।

## ईरान ने अमेरिका में एक्टिव किए स्लीपर सेल्स

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है कि अमेरिका में ईरानी स्लीपर सेल्स मौजूद हैं और सरकार इन पर पूरी नजर रखे हुए है। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद अमेरिका और इजरायल की संयुक्त सैन्य कार्रवाई दूसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी है।

इस ऑपरेशन ने ईरान को बुरी तरह हिलाकर रख दिया है। अब ईरान अमेरिकी संपत्तियों और सहयोगियों पर जवाबी हमले कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि बाइडेन के मूर्खतापूर्ण खुले बॉर्डर नीति के कारण कई लोग अमेरिका में घुस आए, लेकिन अब हम इन्हें जानते हैं और इन पर नजर रख रहे हैं। ट्रंप ने कहा, मुझे ब्रिफिंग मिली है। बहुत से लोग बाइडेन के ओपन बॉर्डर से आए हैं, लेकिन हम ज्यादातर को जानते हैं। हमारी नजर उन सब पर है, मुझे लगता है।

उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को अमेरिका के इतिहास के सबसे खराब राष्ट्रपतियों में से एक बताया और कहा कि उनकी नीतियों ने खतरे को बढ़ावा दिया। ट्रंप ने ईरान के खिलाफ चल रही सैन्य कार्रवाई को शकिसी ने पहले कभी नहीं देखाश स्तर की बताया है। यह युद्ध अब दूसरे हफ्ते में है, जहां दोनों तरफ से हमले जारी हैं।

### ओमान के सलालाह पोर्ट पर ईरान का ड्रोन अटैक

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** ओमान। ईरान ने ओमान के सलालाह बंदरगाह पर तेल भंडारण टैंकों पर बड़ा हमला किया है। ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा फर्म एम्ब्रे ने बुनियादी ढांचे पर हुए इन हमलों की पुष्टि की है। लेकिन यह भी बताया गया है कि व्यापारिक जहाजों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। ओमान टीवी और अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने एक साथ कई ड्रोन ओमान के सलालाह बंदरगाह पर दागे। इस हमले के बाद बंदरगाह से काले धुंए का गुबार निकलता नजर आया। इस हमले का वीडियो भी सामने आया है। ईरान ये हमले अमेरिका और इजरायल की ओर से जारी सैन्य कार्रवाई के जवाब में ओमान पर कर रहा है। खाड़ी देशों के ऊर्जा स्थलों को निशाना बनाना ईरान के युद्ध लड़ने के पैटर्न का हिस्सा है। ओमान के सुल्तान ने ईरान को साफ तौर पर कहा कि ओमान अपनी सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

# शिया हो या सुन्नी, दुनिया के सब मुसलमानों एक हो

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

अंकारा। अमेरिका–इजरायल और ईरान में युद्ध के चलते मिडिल ईस्ट में फैले तनाव के बीच तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन अपने इस्लामी एजेंडा को बढ़ाने में जुट गए हैं। मध्य पूर्व में जंग की आंच के बीच एर्दोगन ने दुनिया के मुसलमानों से एकजुट होने की अपील की है। एर्दोगन ने अपनी पार्टी की एक बैठक को संबोधित करते हुए युद्ध रोकने की अपील की और कहा कि हम हथियारों को शांत करने की कोशिश जारी रखे हुए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, तुर्की के राष्ट्रगान की 105वीं वर्षगांठ के मौके पर एर्दोगन ने ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों को याद

**■ जंग के बीच खलीफा एर्दोगन का इस्लामिक कार्ड**

किया और इसे बड़ी तबाही बताया। तुर्की के राष्ट्रपति की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमले जारी रखे हैं। इन हमलों में खामेनेई समेत कई शीर्ष रैंकिंग ईरानी अधिकारियों की हत्या कर दी गई है। ईरान के इंफ्रास्ट्रक्चर को बहुत नुकसान हुआ है। ईरानी लोग हर दिन जिंदा रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

तुर्की में इस्लामिक खिलाफत का दौर लाने का सपना देखने वाले एर्दोगन ने इस्लामिक एकता के नजरिए पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमने अपने क्षेत्र के लोगों, जिसमें ईरानी भाई भी शामिल हैं, को शिया, सुन्नी, तुर्क और कुर्द के तौर पर नहीं देखा और हम कभी देखेंगे भी नहीं। एर्दोगन ने कहा कि हम हर उस व्यक्ति के साथ खड़े हैं, जिसके साथ गलत हुआ है या जो पीड़ित है। हम नस्ल, संप्रदाय, धर्म, भाषा या मूल के आधार पर भेदभाव को नकारते हैं।

एर्दोगन ने सभी मुसलमानों से एक होने की अपील की और कहा, हमारा सुन्नीवाद या शियावाद जैसा कोई मजहब नहीं है। हमारा सिर्फ एक ही मजहब है, और वह है इस्लाम। हजरत अली हमारे हैं। हजरत उमर हमारे हैं। हमारी मां हजरत आयशा हमारी हैं और मां हजरत जैनब भी हमारी हैं। एर्दोगन ने ईरान पर हमले के वैश्विक असर के बारे में चेतावनी दी।

### भारत के लिए मुश्किल समय, परीक्षा की घड़ी

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** वॉशिंगटन। अमेरिका–इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष ने पूरे मिडिल ईस्ट को युद्ध क्षेत्र में बदल दिया है। इस तनाव ने भारत के लिए एक मुश्किल स्थिति पैदा कर दी है, जिसके चलते उसे डिप्लोमैटिक बैलेंस बनाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट का कहना है कि भारत मुश्किल में है, क्योंकि इस युद्ध शामिल पक्षों के साथ उसके करीबी रिश्ते हैं, लेकिन वे आज दुश्मन बने हुए हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि भारत को इस समय स्ट्रेटेजिक हितों की रक्षा करने, पार्टनरशिप को बनाए रखने और एनर्जी सिक्योरिटी की सुरक्षा के लिए सावधानी से कदम उठाने चाहिए।

page3news

# Page Three Classified

**Adds can be booked under these Categories : (all day publication)**

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

**Matrimonial (Sunday Only)**

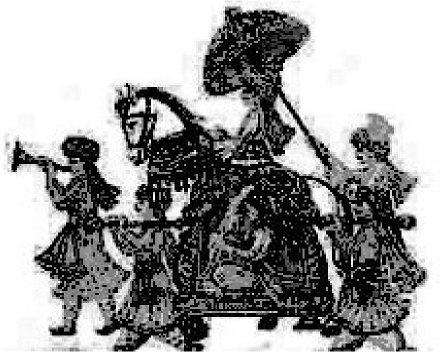

**अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द**


# बढ़ते तापमान के साथ वनाग्नि रोकथाम को लेकर प्रशासन सतर्क

## जिलाधिकारी ने की अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक

**बैठक**

■64 क्रू स्टेशन और क्विक रिस्पॉन्स टीमें तैनात

**संवाददाता**

रुद्रप्रयाग। जनपद में बढ़ते तापमान के साथ वनाग्नि की संभावित घटनाओं को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में गुरूवार को जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में वन विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वनाग्नि की घटनाओं की रोकथाम तथा किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वनाग्नि की रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर तक लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान

संचालित किए जाएं, ताकि ग्रामीणों को वनाग्नि से होने वाले नुकसान और उससे बचाव के उपायों की जानकारी मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों तथा ग्राम सभाओं की भी इसमें सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

बैठक के दौरान वन संरक्षक रजत सुमन ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में वनाग्नि की रोकथाम और त्वरित नियंत्रण के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। इसके तहत विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में कुल 64 क्रू स्टेशन स्थापित किए गए हैं। इन क्रू स्टेशनों पर प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती की गई है, जो किसी भी वनाग्नि की घटना पर तुरंत कार्रवाई कर सकें।

उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त क्विक रिस्पॉन्स टीमों का भी गठन किया गया है, जो वनाग्नि सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर पर काबू पाने का कार्य करेंगी। साथ ही वन क्षेत्रों में नियमित गश्त के लिए गश्ती टीमों को भी सक्रिय किया गया है, ताकि समय रहते वनाग्नि की घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि इसमे आम जन की भी मदद ली जा रही। यदि कहीं भी जंगल में आग लगने की सूचना मिले तो तत्काल संबंधित विभाग को इसकी जानकारी दें, ताकि समय रहते आग को फैलने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि वनाग्नि रोकथाम में जनसहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है और सभी के सहयोग से ही इस चुनौती का प्रभावी समाधान संभव है।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, उपजिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया, अधिशासी अभियंता जल संस्थान अनीश पिल्लई, अधिशासी अभियंता जल निगम नवल कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी के.एस. कोहली सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## न्यूज डायरी :

### ईरान और अमेरिका इजरायल के युद्ध को तत्काल रुकवाने के लिए मध्यस्ता करें पीएम

**संवाददाता** देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और वरिष्ठ समाजसेवी आरिफ वारसी ने गुरूवार को एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण जो गैस की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है। उसके कारण आम जनजीवन अस्त–व्यस्त हो रहा है। देश वासियों को इस बात से बेहद परेशानी हो रही है कि कहीं युद्ध महीने भर चला तो लोगों को खाने के लाले न पड़ जाएं। डंडरियाल और वारसी ने केंद्र की मोदी सरकार से उम्मीद ही नहीं विश्वास भी जताया हैं कि वह देश में कुकिंग गैस और तेल की कमी नहीं होने देंगे ताकि जनता को परेशानी से बचाया जा सके। समिति ने प्रधानमंत्री से जनहित में आग्रह किया कि वह ईरान और अमेरिका इजरायल के युद्ध को तत्काल रुकवाने के लिए मध्यस्ता करें क्योंकि इस युद्ध से पूरे संसार और मानवता का नुकसान हो रहा है और दुनिया बरबादी की कगार पर पहुंच चुकी है।

### मुख्य अभियंता ने बदानी ताल सौंदर्यीकरण व आरसेटी भवन निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

**संवाददाता** रुद्रप्रयाग। ग्रामीण निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता विभु विश्वामित्र रावत ने जनपद रुद्रप्रयाग में संचालित बदानी ताल सौंदर्यीकरण कार्य तथा आरसेटी भवन, रुद्रप्रयाग के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और निर्माण मानकों का विस्तार से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख अभियंता की तकनीकी विशेषज्ञ टीम द्वारा निर्माण कार्यों में उपयोग हो रहे मटेरियल की टेस्टिंग भी की गई, ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। प्रमुख अभियंता ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप, गुणवत्ता के साथ तथा तय समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

### टर्बो चिप और एआई टूल्स के साथ वीवो वाई51 प्रो 5जी हुआ लॉन्च

**संवाददाता** देहरादून । वीवो इंडिया ने आज अपने वाई सीरीज में नया स्मार्टफोन वीवो वाई51 प्रो 5जी लॉन्च किया। नया वाई51 प्रो उन यूजर्स के लिए डिजाइन किया गया है जो स्मूथ और भरोसेमंद परफॉर्मेंस के साथ इमर्सिव एंटरटेनमेंट चाहते हैं। यह स्मार्टफोन ऐसा अनुभव देता है जो रोजमर्रा की तेज और बदलती दिनचर्या के साथ कदम मिलाकर चलता है। लंबे समय तक चलने वाली परफॉर्मेंस, स्मूथ मल्टीटास्किंग और रोजमर्रा के आसान इस्तेमाल पर खास ध्यान देते हुए यह डिवाइस वीवो की उस सोच को दिखाता है।

# एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता कालाबाजारी पर होगी सख्त कार्रवाई

**संवाददाता** रुद्रप्रयाग। जनपद में घरेलू एलपीजी गैस की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन सतर्क है। इसी क्रम में आज जिलाधिकारी विशाल मिश्रा द्वारा विकास भवन सभागार में जिला पूर्ति विभाग तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आहूत कर जनपद में घरेलू गैस सिलेंडरों की उपलब्धता, आपूर्ति तथा वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद में घरेलू एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और इसकी आपूर्ति पूरी तरह सुचारु रूप से जारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आम जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा सभी गैस एजेंसियां निर्धारित मानकों के अनुरूप ही उपभोक्ताओं को गैस उपलब्ध कराएं।

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने जिला पूर्ति विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी या जमाखोरी को लेकर गंभीरता से लिया जाए। इसके लिए पूर्ति विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीमों का गठन कर नियमित रूप से चेकिंग अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध जमाखोरी या कालाबाजारी पाई जाती है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि गैस एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर लगातार निगरानी रखी जाए।

## युवाओं को मिल रहा उद्यमिता व लेखांकन का प्रशिक्षण

**संवाददाता** रुद्रप्रयाग। जनपद रुद्रप्रयाग में युवाओं को स्वरोजगार एवं वित्तीय क्षेत्र से जोड़ने के उद्देश्य से एसबीआई आरसेटी रुद्रप्रयाग द्वारा निःशुल्क "सहायक बुककीपर" प्रशिक्षण कार्यक्रम का आगामी 20 मार्च 2026 तक संचालित किया जाएगा। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक अरूण कुमार ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान समय में लेखांकन और वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से अभ्यर्थी लेखांकन के मूलभूत कौशल सीखकर इस क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर प्रतिभागियों को डिजिटल बैंकिंग, पेमेंट गेटवे और थर्ड पार्टी पेमेंट ऐप जैसी आधुनिक बैंकिंग सेवाओं की जानकारी भी दी गई। संस्थान के प्रशिक्षक वीरेंद्र बर्त्वाल ने बताया कि जनपद में इस प्रकार का प्रशिक्षण पहली बार निःशुल्क रूप से आयोजित किया जा रहा है।

# अधिकारियों को कानूनी प्रक्रियाओं, विशाखा गाइडलाइंस और गठन की दी गई जानकारी

**संवाददाता**

■महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न पर आयोजित हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

रुद्रप्रयाग। महिलाओं के प्रति सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद रुद्रप्रयाग में "महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम–2013" के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक दिवसीय संवेदीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ. आर.एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल द्वारा वर्ष 2025–26 की स्वीकृत कार्ययोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया।

अकादमी द्वारा शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप विगत तीन वर्षों से जनपद स्तर पर विभिन्न आउटरीच प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सभी कार्यालयाध्यक्षों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिनियम के अंतर्गत उनके विधिक दायित्वों से अवगत कराना तथा नियमानुसार आंतरिक शिकायत समिति के गठन और उसके प्रभावी संचालन के संबंध में आवश्यक तकनीकी जानकारी एवं दिशा–निर्देश प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम में उपनिदेशक एवं कार्यक्रम अधिकारी, आर.एस. टोलिया प्रशासनिक अकादमी नैनीताल पूनम पाठक तथा विषय विशेषज्ञ एडवोकेट राजेश देवली द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न केस स्टडीज के माध्यम से उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले लैंगिक भेदभाव, यौन उत्पीड़न, जेंडर इक्वलिटी एवं इक्विटी तथा महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया।

प्रशिक्षकों ने कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना प्रत्येक संस्थान और कार्यालयाध्यक्ष की जिम्मेदारी है। इसके लिए अधिनियम–2013 के प्रावधानों का पालन करते हुए आंतरिक शिकायत समिति का गठन और उसकी सक्रियता अत्यंत आवश्यक है।

## मालाबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद बिजनेस भूषण पुरस्कार से सम्मानित

**संवाददाता** देहरादून। मालाबार ग्रुप के चेयरमैन, एम.पी. अहमद को लोकमत महाराष्ट्रियन ऑफ द ईयर अवार्ड्स 2026 में प्रतिष्ठित बिजनेस भूषण अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान उनके दूरदर्शी नेतृत्व और वैश्विक स्तर पर ज्वेलरी रिटेल क्षेत्र के साथ–साथ समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया है। मुंबई के ऐतिहासिक गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित इस भव्य समारोह में राजनीति, उद्योग और मनोरंजन जगत की दिग्गज हस्तियां शामिल हुईं। पुरस्कार वितरण महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया। इस अवसर पर लोकमत के चेयरमैन विजय दरड़ा, कई मंत्री, अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों की जानी–मानी हस्तियां मौजूद थीं।

*यह महत्त्वपूर्ण नहीं है कि कोई किस हैसियत में पैदा हुआ है, बल्कि यह महत्त्वपूर्ण है कि वह बड़ा होकर क्या बन जाता है। -अज्ञात।*

# प्रोटोकॉल का उल्लंघन

**केंद्र और राज्यों में सरकार चाहे किसी की भी हो, लेकिन राष्ट्रपति का कार्यक्रम कभी किसी राजनीतिक विवाद में नहीं पड़ता। यह पद किसी व्यक्ति की नहीं, देश की गरिमा और प्रतिष्ठा से जुड़ा है। ऐसे में अगर राष्ट्रपति खुद यह महसूस करती हैं कि उनके सम्मान का ख्याल नहीं रखा गया, तो कई सवाल खड़े होते हैं।**

संजीव कुमार।।

पश्चिम बंगाल में आयोजित इंटरनैशनल संथाल कॉन्क्लेव में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दौरे से जुड़ा विवाद केवल कार्यक्रम में व्यवस्था तक सीमित नहीं। यह मामला अब संवैधानिक गरिमा, प्रशासनिक जवाबदेही और चुनावी राजनीति का बन चुका है। राष्ट्रपति का खुद सार्वजनिक रूप से खामियों की ओर इशारा करना भी सामान्य बात नहीं है।

विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब कार्यक्रम स्थल आखिरी समय में बदल दिया गया। स्थानीय प्रशासन का तर्क था कि मूल स्थान भीड़भाड़ वाला था। लेकिन, राष्ट्रपति ने खुद उस स्थान का दौरा किया और कहा कि जगह पर्याप्त थी। इसके अलावा प्रोटोकॉल के उल्लंघन और दूसरी लापरवाही की बात भी कही जा रही है।

भारत में राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर माना जाता है। केंद्र और राज्यों में सरकार चाहे किसी की भी हो, लेकिन राष्ट्रपति का कार्यक्रम कभी किसी राजनीतिक विवाद में नहीं पड़ता। यह पद किसी व्यक्ति की नहीं, देश की गरिमा और प्रतिष्ठा से जुड़ा है। ऐसे में अगर राष्ट्रपति खुद यह महसूस करती हैं कि उनके सम्मान का ख्याल नहीं रखा गया, तो कई सवाल खड़े होते हैं।

राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल को लेकर सख्त नियम है, जिनका पालन हर हाल में करना होता है। राष्ट्रपति को आमतौर पर राज्य के मुख्यमंत्री रिसीव करते हैं या उनकी तरफ से नॉमिनेट उनका कोई मिनिस्टर। बताया जा रहा है कि बंगाल में ऐसा नहीं हुआ।

केंद्र सरकार ने इस चुक पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। लेकिन, इस घटना से जुड़ा एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और वह है पश्चिम बंगाल की राजनीति। राज्य में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं और मुख्य टक्कर बीजेपी व सत्ताधारी टीएमसी के बीच मानी जा रही।चुनावी मैदान की यही तल्खी अब संवैधानिक परंपराओं में दिख रही है। टीएमसी ने केंद्र पर राष्ट्रपति पद के राजनीतिक इस्तेमाल का आरोप लगाया है। सीएम ममता बनर्जी कह रही हैं कि कोई प्रोटोकॉल नहीं टूटा।

यह कार्यक्रम संथाल आदिवासियों से जुड़ा था। राष्ट्रपति खुद इस समुदाय से ताल्लुक रखती हैं। लेकिन, अब ध्यान मुख्य मुद्दे से हटकर इस विवाद की ओर चला गया। इस मामले से यह भी पता चलता है कि देश में कई बार बड़े आयोजनों तक की तैयारी आखिरी वक्त तक चलती रहती है। अगर राष्ट्रपति के दौरे से जुड़े सारे इंतजाम पहले ही पूरे होते, तो शायद यह विवाद खड़ा ही नहीं होता।

## चरित्र की कसौटी

धर्म-दर्शन

**अशोक वोहरा।** ऐसे समय पर धर्म का मौन अपराध बन जाता है। यही कारण है कि गुरु ने शास्त्र से शील और शस्त्र से शौर्य दोनों को एक ही श्वास में साधा। यही संत–सैनिक परंपरा है। यही खालसा है। और यही सनातन की वह चेतना है, जो संकट में तपकर और तेजस्वी होती है। इसी कारण इतिहास में वह गर्जना गूंजती है कि "सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं।"यह पंक्ति कविता नहीं, घोषणा है। यह अहंकार नहीं, आत्मविश्वास है। यह संख्या की चुनौती नहीं, चरित्र की कसौटी है। गुरु कहते हैं कि मैं तब ही गुरु कहलाऊंगा, जब भयभीत भी वीर बनें, जब कमजोर भी शेर बनें, जब दमन के आकाश में उड़ती चिड़िया भी बाज से भिड़ने का साहस करे।

**...शेष कल**

# संपादकीय

## स्टार्टअप संस्कृति

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा वर्ग है। आज का युवा पहले से अधिक जागरूक, शिक्षित और तकनीक से जुड़ा हुआ है। स्टार्टअप संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। छोटे शहरों के युवा भी बड़े सपने देख रहे हैं और उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। डिजिटल युग में अवसरों की सीमाएँ पहले जैसी नहीं रहीं। आज भारत में बैठकर भी दुनिया के साथ काम किया जा सकता है। जरूरत इस बात की है कि हम अपने बच्चों को सक्षम बनाएं। उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाए, उनमें कौशल विकसित करे और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति दे। अगर युवा योग्य होंगे तो उन्हें अवसर कहीं भी मिल सकते हैं भारत में भी और विदेश में भी। लेकिन यदि केवल स्थान बदलने से सफलता की उम्मीद की जाएगी, तो यह सोच लंबे समय तक टिक नहीं पाएगी। समाज को भी अपनी सोच पर विचार करने की आवश्यकता है। विदेश जाना न तो असंभव उपलब्धि है और न ही सफलता का एकमात्र रास्ता। उसी तरह भारत में रहना असफलता नहीं है। हमारे देश ने हर क्षेत्र में प्रतिभाएँ दी हैं विज्ञान, साहित्य, खेल, राजनीति, उद्योग और तकनीक में। दुनिया के कई बड़े मंचों पर भारतीय अपनी पहचान बना चुके हैं। यह सब यहीं से शुरू हुआ है।

**दुनिया की बड़ी–बड़ी कंपनियाँ भारत में निवेश कर रही हैं। लाखों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। छोटे शहरों और कस्बों से निकलकर युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं।**

# विदेश भेजने की होड़

डॉ. प्रियंका सौरभ।।

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय समाज में एक नई प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है बेटे–बेटियों को विदेश भेजने की होड़। कभी पढ़ाई के नाम पर, कभी नौकरी के नाम पर, तो कभी बेहतर जीवन के सपने के साथ। कई परिवारों में यह एक उपलब्धि की तरह प्रस्तुत किया जाता है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। किसी का कनाडा जाना, किसी का ऑस्ट्रेलिया या यूरोप जानाकृयह सब मानो सफलता की पहचान बन गया है। धीरे–धीरे यह धारणा बनती जा रही है कि यदि भविष्य बनाना है तो विदेश जाना ही पड़ेगा। लेकिन यह सवाल गंभीरता से पूछने की जरूरत है कि क्या वास्तव में भारत में अवसरों की कमी है। क्या इस देश में प्रतिभा के लिए जगह नहीं बची? या फिर हम स्वयं अपने देश की संभावनाओं को कम आंकने लगे हैं?

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। तकनीक, उद्योग, सेवा क्षेत्र, स्टार्टअप, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में लगातार नए अवसर पैदा हो रहे हैं। दुनिया की बड़ी–बड़ी कंपनियाँ भारत में निवेश कर रही हैं। लाखों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। छोटे शहरों और कस्बों से निकलकर युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। ऐसे में यह मान लेना कि भविष्य केवल विदेश में ही है, एक अधूरी और जल्दबाजी वाली सोच लगती है।

विदेश जाने की एक बड़ी वजह शिक्षा भी है। कई छात्र यह सोचकर विदेश जाते हैं कि वहाँ की पढ़ाई बेहतर है या वहाँ अवसर अधिक हैं। कुछ मामलों में यह सही भी हो सकता है। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि कई छात्र केवल इसलिए विदेश चले जाते हैं क्योंकि उन्हें भारत में मनचाहे कॉलेज या कोर्स में प्रवेश नहीं मिल पाता। प्रतियोगिता कठिन है, सीटें सीमित हैं, और हर किसी को प्रतिष्ठित संस्थानों में जगह नहीं मिल पाती। ऐसे में विदेश जाना एक विकल्प बन जाता है। लेकिन इस विकल्प को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बना देना चिंताजनक है।

आज स्थिति यह हो गई है कि कई जगहों पर माता–पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने को लेकर एक तरह का दबाव महसूस करते हैं। रिश्तेदारों, परिचितों और समाज के बीच यह दिखाने की कोशिश होती है कि उनका बच्चा विदेश में पढ़ रहा है या काम कर रहा है। कई बार परिवार अपनी आर्थिक स्थिति से ज्यादा खर्च उठाकर भी बच्चों को विदेश भेज देते हैं। शिक्षा ऋण, कर्ज और आर्थिक बोझ के बावजूद यह निर्णय केवल इसलिए लिया जाता है क्योंकि समाज में इसे प्रतिष्ठा से जोड़ दिया गया है।

सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ाया है। इंटरनेट पर विदेश में रहने वाले युवाओं की चमकदार तस्वीरें दिखाई देती हैं खूबसूरत शहर, शानदार जीवनशैली, घूमना–फिरना, नए अनुभव। लेकिन इन तस्वीरों के पीछे का संघर्ष अक्सर दिखाई नहीं देता। विदेश में जीवन आसान नहीं होता। वहाँ भी कठिन परिश्रम करना पड़ता है, अकेलेपन का सामना करना पड़ता है और कई बार ऐसे काम भी करने पड़ते हैं जिनकी कल्पना भारत में रहते हुए नहीं की जाती। लेकिन यह सच्चाई अक्सर तस्वीरों और वीडियो के पीछे छिप जाती है। समस्या विदेश जाने में नहीं है। समस्या उस मानसिकता में है जिसमें विदेश को सफलता का पर्याय बना दिया गया है। दुनिया को देखने, नई शिक्षा और अनुभव प्राप्त करने के लिए विदेश जाना एक अच्छा अवसर हो सकता है। विदेश जाना विकल्प हो सकता है, लेकिन लक्ष्य नहीं होना चाहिए। लक्ष्य होना चाहिए योग्यता, आत्मनिर्भरता और सार्थक जीवन। जब यह सोच समाज में मजबूत होगी, तब शायद विदेश भेजने की अंधी दौड़ अपने आप धीमी पड़ जाएगी।

### सूडोकु नवताल- 5353

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 8 | | | 4 | | | |
| 1 | | | | | | | | 9 |
| 3 | | | | 2 | | | 5 | |
| | | | 1 | | | | 8 | |
| | | 5 | | | | 4 | | |
| | 7 | | | | 9 | | | |
| | 6 | | | 3 | | | | 2 |
| 9 | | | | | | | | 1 |
| | | | 8 | | | 7 | | |

सूडोकु नवताल -5352 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 3 | 8 | 5 | 2 | 1 | 4 | 7 | 9 |
| 7 | 9 | 1 | 4 | 6 | 3 | 5 | 8 | 2 |
| 2 | 4 | 5 | 7 | 9 | 8 | 6 | 3 | 1 |
| 9 | 1 | 3 | 2 | 5 | 4 | 8 | 6 | 7 |
| 4 | 6 | 2 | 8 | 1 | 7 | 9 | 5 | 3 |
| 5 | 8 | 7 | 6 | 3 | 9 | 1 | 2 | 4 |
| 3 | 2 | 4 | 1 | 8 | 5 | 7 | 9 | 6 |
| 8 | 7 | 6 | 9 | 4 | 2 | 3 | 1 | 5 |
| 1 | 5 | 9 | 3 | 7 | 6 | 2 | 4 | 8 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

## अपना ब्लॉग

### सफलता किसी देश की मोहताज नही

**मोहन।** आज जरूरत है संतुलित सोच की। हमें अपने युवाओं को यह बताना होगा कि दुनिया खुली है, अवसर हर जगह हैं, लेकिन अपने देश की ताकत और संभावनाओं को कम नहीं आंकना चाहिए। भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि संभावनाओं की एक विशाल भूमि है। यहाँ चुनौतियाँ भी हैं और अवसर भी। फर्क केवल दृष्टिकोण का है। अगर हम अपने बच्चों को योग्य, आत्मविश्वासी और मेहनती बनाएँगे, तो उन्हें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकताकृ चाहे वे भारत में रहें या विदेश जाएँ। लेकिन यदि हम केवल भीड़ का हिस्सा बनकर निर्णय लेते रहेंगे, तो शायद हम अपने ही आत्मविश्वास को कमजोर करते रहेंगे। माता–पिता, शिक्षक और समाज तीनों की भूमिका यहाँ महत्वपूर्ण है। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि सफलता किसी देश की मोहताज नहीं होती। असली पहचान मेहनत, ज्ञान और चरित्र से बनती है। विदेश जाना यदि शिक्षा और अनुभव के लिए है तो यह अच्छी बात है, लेकिन केवल दिखावे या सामाजिक दबाव के कारण लिया गया निर्णय कई बार भारी पड़ सकता है।

## बांहों में मलाइका वाले वीडियो पर बोले स्प्लिट्सविला 16 के सोराब

हाल ही में मलाइका अरोड़ा के एक वीडियो ने सबका ध्यान खींचा था जिसमें वो सोराब बेदी के साथ पार्टी के दौरान मिरर के सामने डांस करती दिखी थीं। इस वीडियो में सोराब खुद कैमरे से रिकॉर्डिंग करते दिख रहे थे। सोराब ने मलाइका को एक हाथ से अपनी बांहों में भर रखा था। इन झलकियों ने एक बार फिर से मलाइका की लाइफ में नए प्यार को लेकर चर्चा छेड़ दी। अब सोराब ने इस बारे में अपनी तरफ से कुछ बातें खोलकर रखी हैं। एक्टर सोराब बेदी और मलाइक को देख लोग उनके बीच प्यार को लेकर अटकलें लगाने लगे। हालांकि, मलाइका अक्सर ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। अर्जुन कपूर के साथ डेटिंग की शुरुआत से लेकर अब खत्म होने के बाद भी उनके रोमांटिक रिश्ते पर लोगों की नजरें अक्सर चली जाती हैं। अब सोराब बेदी ने मलाइका के साथ इस मामले पर बातें करते हुए एक्ट्रेस के साथ अपने रोमांटिक रिश्ते की अफवाहों को गलत करार दिया है। हाल गही में जूम टेली टॉक इंडिया से हुई बातचीत में सोराब बेदी ने मलाइका अरोड़ा के साथ अपने रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों पर नाराजगी जाहिर की। एक्टर ने साफ किया कि दोनों के बीच दोस्ती से बढ़कर कुछ और नहीं है। सोराब ने बताया कि मलाइका से उनकी मुलाकात पहली बार कैसे हुई थी। सोराब ने बताया कि मॉडलिंग के दिनों में वो मलाइका से मिले। किस्सा शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि उनके मेंटर्स डेलनाज दारूवाला और वाहबिज मेहता के जरिए वो मलाइका से मिले थे। उन्हीं लोगों की वजह से वे धीरे–धीरे उनके सोशल सर्कल में शामिल हो गए और ऐसी पार्टियों में जाने लगे जहां मलाइका भी मौजूद होती थीं।

## टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी मंदिर ले जाने पर खुशबू सुंदर की दो टूक

भारतीय क्रिकेट टीम के हाल ही 2026 टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी जीती, जिसके बाद टीम ने अहमदाबाद में स्टेडियम के पास ही स्थित हनुमान मंदिर में पैदल ट्रॉफी के साथ जाकर दर्शन किए थे। इस पर टीमएसी सांसद और पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने सवाल उठाए और शर्मनाक हरकतश बताया था। अब इस पर एक्ट्रेस और राजनेता खुशबू सुंदर ने रिएक्ट किया है। खुशबू ने इस बात पर जोर दिया कि ट्रॉफी पूरे देश की है। इसे धर्म के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि भारत के लिए गर्व का क्षण माना जाना चाहिए। मालूम हो कि टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी के साथ कप्तान सूर्यकुमार यादव, मुख्य कोच गौतम गंभीर और जय शाह हनुमान मंदिर पहुंचे थे, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तुरंत ही वायरल हो गया था। इसे देख कीर्ति आजाद ने सोशल मीडिया पर गुस्सा निकाला था और कहा था कि टीम इंडिया को शर्म आनी चाहिए।

## 12 साल की श्रेया घोषाल, सोनू निगम हो गए थे मुरीद!

श्रेया घोषाल जब 8वीं क्लास में थीं तभी से बॉलीवुड में राज करने के ख्वाब देख रही थीं। हालांकि उन्हें ये नहीं पता था कि उनकी आवाज बॉलीवुड की पहचान बन जाएगी। कोटा के छोटे से गांव से निकलकर उन्होंने हिंदी सिनेमा पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। श्रेया घोषाल 12 मार्च को अपना 41वां जन्मदिन मना रही है और यहां हम लेकर आए हैं श्रेया घोषाल का पहला ऑडिशन वीडियो, जो सा रे गा मा पा के मंच का है और तब वो केवल 12 साल की थी। कहा जाता है कि मां ही बच्चों की पहली गुरु होती है और श्रेया के साथ भी ऐसा ही था। श्रेया की मां बहुत अच्छा गाती थी और यही कारण था कि वे अपनी बेटी को संगीत की तालीम देने के पक्ष में भी थीं। उन्होंने श्रेया घोषाल को 6 साल की छोटी उम्र में ही संगीत की तालीम दिलानी शुरू कर दी थी और वे स्कूल के एनुअल डे में अपनी आवाज से सबको मंत्रमुग्ध कर देती थीं। इसके बाद उन्होंने पद्मश्री स्वर्गीय कल्याणजी भाई और स्वर्गीय मुक्ता भिडेजी से ट्रेनिंग ली। बहुत कम लोग ये बातें जानते हैं कि श्रेया साइंस की स्टूडेंट थीं, लेकिन म्यूजिक के जुनून को आगे ले जाने के लिए उन्होंने 12वीं तक साइंस स्ट्रीम से पढ़ाई के बाद आर्ट्स को चुना और म्यूजिक को ट्रेनिंग ली। हालांकि तब तक उनकी आवाज बॉलीवुड में छा चुकी थी और संजय लीला भंसाली ने टीवी पर एक प्रोग्राम को देखकर श्रेया का चुनाव अपनी फिल्म श्देवदासश के लिए किया था।

# ब्लड टेस्ट का नाम सुनते ही दीपिका के छलक पड़े आंसू

*ससुराल सिमर का फेम दीपिका कक्कड़ को पिछले साल लिवर में कैंसर का पता चला था, जिसका उन्होंने इलाज करवाया था लेकिन ये बीमारी फिर उभर आई। जिसकी सर्जरी फरवरी महीने में हुई थी। उसके बारे में शोएब ने सारा अपडेट फैंस को दिया था। अब लेटेस्ट व्लॉग में उन्होंने और उनके पति शोएब इब्राहिम ने यूट्यूब चैनल पर डेली लाइफ रूटीन शेयर की। इस दौरान एक्ट्रेस भावुक हो गईं। क्योंकि उनका अगले हफ्ते ब्लड टेस्ट होना है। उन्होंने कहा कि उनके मन में एक डर बैठ गया है।*

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

**अभिनय से बना ली दूरी**

दीपिका कक्कड़ ने अभिनय से दूरी बना ली है। वह अपनी हेल्थ के कारण परेशान रहती हैं। लेटेस्ट व्लॉग में शोबए ने बताया कि एक्ट्रेस को अपनी नई डाइट और रूटीन के कारण कुछ दिन अजीब लगे। उन्होने कहा, दीपिका की नई डाइट बनाई गई है। वह उसे फॉलो कर रही हैं। सुबह 7 बजे रोज उठती हैं और टहलने जाती हैं। इसके बाद शाम 7 बजे के बाद वह कुछ खा नहीं सकती हैं।

**ब्लड टेस्ट का सुनते ही रो पड़ीं दीपिका**

दीपिका ने बताया कि वह अपने चैनल पर कुछ फूड रेसेपी व्लॉग्स शूट करना चाहती थीं, जो नहीं कर सकीं। इस पर पति ने हैरानी से पूछा कि इसके लिए उन्हें काफी देर खड़ा रहना पड़ेगा तो क्या वह ऐसा कर पाएंगी? इसके बाद उन्होंने पत्नी को याद दिलाया कि ईद के बाद यानी अगले हफ्ते ब्लड टेस्ट कराने हैं। ये सुनते ही उनकी आंखों से आंसू निकलने लगे। शोएब बोले, ये बहुत स्ट्रॉन्ग है। लेकिन कभी–कभी वो सारी बातें... अब जब मैंने बोला कि 4 हफ्ते बाद टेस्ट्स हैं तो वो सोचकर।

**दीपिका के मन में बैठ गया है डर**

दीपिका ने भावुक होने का कारण बताया, मैं अभी तक इससे उबर नहीं पाई हूं। अभी एक डर बैठ गया है इस बार के बाद। आप सब भी यही कहते हो यकीन है। हर वक्त दिल से यही दुआ निकलती है। आगे सब ठीक हो। लेकिन ठीक है हम सबको पता है जो होना है वो होगा। कोई बात नहीं।श शोएब ने कहा, श्हम चाहें जितना भी हंसे और मजे करें, ये बातें मन में रह जाती हैं हालांकि वह पॉजिटिव रहने की कोशिश करती है लेकिन कभी–कभी इमोशनल ब्रेकडाउन हो जाता है।

**दीपिका की हो चुकी है दो सर्जरी**

दीपिका की हाल ही में सर्जरी हुई थी, जिसमें उनके लिवर के पास से 13 मिमी की सिस्ट निकाली गई थी। इसके बाद उनके ट्रीटमेंट में बदलाव आया था। 2025 में उनकी एक बड़ी सर्जरी हुई थी, जिसमें उनके लिवर का 22 फीसदी हिस्सा और टेनिस बॉल के साइज की सिस्ट निकाली गई थी। इसकी जानकारी व्लॉग में दी थी।

# गोविंदा के डॉक्टर का सुनीता आहूजा को लेकर खुलासा

*गोविंदा ने जब गलती से गोली मारी थी तो उनकी फिजियोथेरेपी हुई थी। इस सेशन में कभी भी सुनीता आहूजा नहीं पहुंची थीं। इस बारे में फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर सुरभि ने खुलासा किया है।*

एक्टर गोविंदा ने गलती से अपनी लाइसेंसी बंदूक से 2024 में पैर पर गोली मार ली थी। जिसके बाद उनको फौरन अस्पताल ले जाया गया था। वहां उनकी सर्जरी हुई थी और कुछ दिन बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था। इस दौरान उन्होंने अपनी फिजियोथेरेपी भी करवाई थी। हालांकि इस दौरान उनकी पत्नी सुनीता आहूजा मौजूद नहीं थीं। इसका खुलासा खुद फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. सुरभि धनवाला ने किया है। क्या कुछ बताया, आइए जानते हैं। डॉ. सुरभि धनवाला ने बताया, गोविंदा ने अपने पैर में गलती से गोली मारी थी। उसी समय मैंने उनका ट्रीटमेंट शुरू किया था। वह बहुत स्ट्रॉन्ग हैं। मेरी उनसे इस एक्सीडेंट के पहले और बाद में भी मुलाकात हुई है। वह बेहद डिसिप्लिन्ड इंसान हैं। सुबह जल्दी उठना, योग करना, मतलब एक अच्छी लाइफस्टाइल फॉलो करते हैं। वह मेरे बड़े भाई की तरह हैं। उनकी जांघों पर चोट के भी निशान थे।

**गोविंदा के सेशन्स में सुनीता थीं गायब**

जब डॉक्टर से एक्टर के तलाक की अफवाहों के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वह कभी पर्सनली सुनीता आहूजा से नहीं मिली हैं क्योंकि गोविंदा के जितने भी फिजियोथेरेपी के सेशन्स हुए थे, उसमें वह कभी मौजूद ही नहीं थीं। मैं सुनीता से कभी नहीं मिली और न वो सेशन्स के दौरान कभी आईं। हालांकि एक्टर बहुत ही स्ट्रॉन्ग फाइटर हैं और मुझे पूरा भरोसा है कि वह अपनी पर्सनल लाइफ की इन दिक्कतों को फिक्स कर लेंगे।

**गोविंदा के बारे में बोलीं डॉक्टर**

डॉक्टर ने बताया कि गोविंदा की पर्सनल लाइफ में चाहे कुछ भी तल रहा हो, उसका उन पर कोई असर नहीं होता। वह इतने मजबूत हैं कि इस तरह की चीजों से डील कर सकते हैं। वह दर्द में हैं लेकिन ताकत मेडिटेशन से मिलती है। वह घंटों मेडिटेशन करते हैं। वह बहुत भी आध्यात्मिक हैं और भगवान से डरते हैं। उन्हें पता है कि अपनी लड़ाई कैसे लड़नी है।

**गोविंदा-सुनीता के बारे में टीना ने बताया**

बता दें कि बेटी टीना आहूजा ने भी अपने माता–पिता के रिश्ते के बारे में बात की थी। कहा था, दो साल से उनके बीत कुछ अच्छा नहीं रहा। उन्होंने काफी उतार–चढ़ाव देखा है। वहीं, पत्नी ने एक्टर पर किसी एक्ट्रेस से अफेयर का आरोप लगाया था, जिस पर गोविंदा ने सफाई दी थी और कहा था कि ऐसा कुछ नहीं है। अगर घरवाले ही ऐसे बोलेंगे तो वह कहां जाएंगे।

Page Three

# आयुर्वेद में बुखार का सबसे पहला उपाय है लंघन

*बुखार एक आम स्वास्थ्य समस्या है, जिसका सामना किसी भी उम्र के लोगों को कभी भी करना पड़ सकता है। यह इंफेक्शन का सबसे शुरुआती लक्षण भी होता है। आयुर्वेद कहता है कि हल्के बुखार को आसानी से बिना दवा के मैनेज किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए सही तरीका मालूम होना चाहिए।*

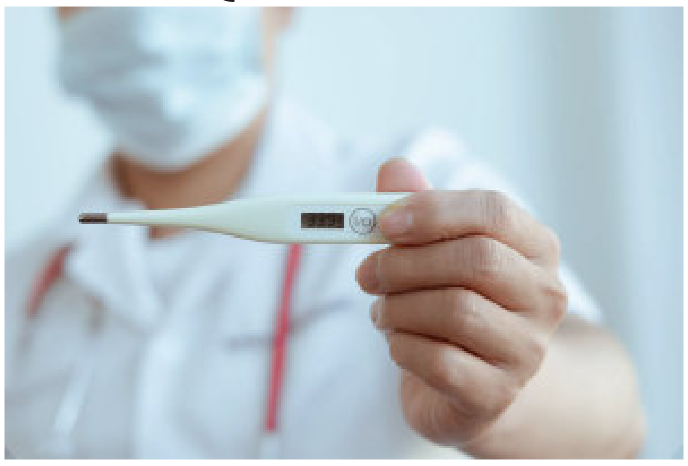

आयुर्वेद में बुखार को ज्वर और इसके इलाज को ज्वर चिकित्सा कहा जाता है। इसे मैनेज करने के लिए सबसे पहले बीमारी को समझना बहुत जरूरी है। आयुर्वेद कहता है कि अगर एक चिकित्सक बुखार के विकास और समाधान को अच्छी तरह समझता है तो इस बीमारी को आराम से कंट्रोल कर सकता है। बुखार में शारीरिक तापमान बढ़ जाता है, जो इंफेक्शन के प्रति शरीर की पहली प्रतिक्रिया है।

**डायजेस्टिव फायर क्या है**

हेल्थ को बनाए रखने के लिए डायजेस्टिव और मेटाबॉलिक फायर का सही रहना बहुत जरूरी है, जिसे आयुर्वेद में अग्नि कहा जाता है। जब अग्नि सही से कार्य करती है तो शारीरिक उत्तकों के लिए पोषण के रूप में खाने का ढंग से परिवर्तन होता है। लेकिन जब यह पाचक अग्नि कमजोर होती है तो अमा (आम, आमा) बनता है। यह अधूरा मेटाबॉलाइज्ड सब्सटांस टॉक्सिक होता है। यह विषाक्त पदार्थ पूरे शरीर में घूमकर फिजियोलॉजिकल चौनल को ब्लॉक करता है और टिश्यू का संतुलन बिगाड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप इंफ्लामेशन और बीमारी विकसित होती है। इसलिए बुखार को एक इंफ्लामेटरी और प्रोटेक्टिव रेस्पॉन्स की तरह देखा जाता है। जब भी शरीर में अंदरुनी इंफ्लामेशन या इंफेक्शन होगा, तब–तब शरीर अमा को मेटाबॉलाइज करके अग्नि का संतुलन बनाने के लिए अपना अंदरुनी तापमान बढ़ाएगा। इसी नजरिए से, आयुर्वेद में हल्के बुखार को तुरंत ना दबाने की सलाह दी जाती है।

**बुखार के इलाज का पहला आयुर्वेदिक कदम**

आयुर्वेदिक फीवर मैनेजमेंट का पहला कदम लंघन है। इसमें अमा को ढंग से मेटाबॉलाइज करने के लिए डायजेस्टिव लोड कम किया जाता है। इसके लिए शारीरिक रूप से मजबूत लोगों को छोटे–छोटे व्रत करने या हल्का, सुपाच्य और गुनगुने तरल पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी जाती है। डायजेस्टिव एनर्जी को बचाने के बाद शरीर डिटॉक्सिफिकेशन और हीलिंग पर फोकस कर पाता है। भारत जैसे देश के लिए यह नजरिया बिल्कुल सही है, जहां बुखार के पीछे अक्सर वायरल इंफेक्शन, मौसम में अचानक बदलाव, प्रदूषण का संपर्क, एलर्जी और तनाव, नींद की कमी व अस्वस्थ खानपान जैसी लाइफस्टाइल हैबिट्स देखने को मिलती हैं।

**घर पर कैसे करें देखभाल?**

बुखार मैनेज करने के लिए घर पर सही देखभाल करना भी आवश्यक है। हर 4 से 6 घंटे के भीतर डिजीटल थर्मोमीटर से बॉडी का टेंप्रेचर चेक करें। बुखार में शारीरिक और मानसिक ऊर्जा कम हो जाती है, इसलिए आराम जरूर करें। पर्याप्त नींद लेने, स्क्रीन का इस्तेमाल कम करने और शांत व वेंटिलेटेड माहौल में रहने से जल्दी रिकवरी होती है। आयुर्वेदिक नजरिए के मुताबिक ऐसी देखभाल से ओजस की रक्षा होती है, जो इम्यूनिटी और जीवनशक्ति का केंद्र माना जाता है। आयुर्वेद में फीवर को मैनेज करने के लिए नागरमोथा और परपटाका (पिटपापड़ा) जैसी पारंपरिक जड़ी–बूटियों को कारगर माना जाता है। पाचन सुधरने के बाद जरूरी आयुर्वेदिक या मॉडर्न दवा का प्रभाव बेहतर होता है।

## ताड़ासन–वशिष्ठासन जैसे आसन कैसे दिल को पहुंचाएंगे फायदा

हार्ट को हेल्दी रखना है तो उसके लिए माइंडफुल मूवमेंट, डीप ब्रीदिंग और इमोशनल बैलेंस का होना काफी ज्यादा जरूरी है। ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, हस्त उत्तानासन, वशिष्ठासन, सिद्ध अभ्यास, वज्रासन और हृदय मुद्रा, ऐसे सात योग आसन हैं, जो इन तीनों को हासिल करने में मदद कर सकते हैं। इन आसनों को करने पर व्यक्ति को एक ओर शांति का अनुभव होता है, तो दूसरी ओर सर्कुलेशन बेहतर होने, तनाव घटने और कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम के मजबूत होने जैसे फायदे भी मिलते हैं। ये सब मिलकर दिल की सेहत को अच्छा रखने में मदद करते हैं। अगर कोई व्यक्ति योग के इन सात आसनों को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बना ले, तो इनके सकारात्मक नतीजे और प्रभाव वो खुद महसूस कर सकता है। ताड़ासन भले ही करने और दिखने में आसान हो, लेकिन ये हेल्दी हार्ट का आधार बन सकता है। इस आसन में व्यक्ति जब शरीर तानते हुए सीधा खड़ा होता है, उसकी रीढ़ सीधी और कंधे आरामदायक स्थिति में रहते हैं, तो इससे सीना प्राकृतिक रूप से आगे की ओर आते हुए खुलता है। इससे फेफड़ों को अंदर मूवमेंट के लिए ज्यादा जगह मिलती है, नतीजन वो ब्लड से ज्यादा ऑक्सीजन ले पाते हैं। वृक्षासन करने पर शारीरिक स्थिरता और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलती है। एक पैर पर खड़े रहते हुए शरीर के बाकी हिस्सों को जिस तरह से पोजिशन किया जाता है, उससे मसल्स एक्टिव होती हैं और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। शरीर का संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षासन के दौरान गहरी सांस ली जाती है, ये क्रिया हार्ट रेट को कम करती है और मानसिक शांति बढ़ाती है।

## कहीं आप भी तो अनजाने में नहीं खा रहे डिहाइड्रेट करने वाले फूड्स

मार्च की शुरुआत के साथ ही गर्मी के मौसम ने दस्तक दे दी है। गर्मी के मौसम में शरीर का टेंपरेचर बढ़ने लगता है और पसीने के रूप में शरीर से पानी बाहर निकलता है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट रखना जरूरी हो जाता है, ताकि थकान, चक्कर, लो बीपी या हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं से बचा जा सके। हालांकि, इस दौरान बहुत से लोग अनजाने में ऐसे फूड्स डाइट में शामिल कर लेते हैं, जो शरीर में पानी की मात्रा को और घटा देते हैं। इन फूड्स का अधिक सेवन शरीर को डिहाइड्रेट कर सकता है, जिससे सेहत पर बुरा असर पड़ता है। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ फूड्स के बारे में, जिन्हें गर्मियों में सीमित मात्रा में और समझदारी से खाना चाहिए। कैफीन ड्यूरेटिक होता है, जो बार–बार यूरिनेशन का कारण बनता है। इससे शरीर का पानी तेजी से निकलता है और डिहाइड्रेशन की स्थिति बनती है। शराब शरीर से इलेक्ट्रोलाइट्स और पानी दोनों को तेजी से बाहर निकालती है। गर्मी में इसका असर और भी तेज हो जाता है। गर्मी में तले हुए खाने को पचाना मुश्किल होता है। इससे शरीर पर एक्स्ट्रा बोझ पड़ता है।

# फ्रूट खाने का सही समय और सही मात्रा कितनी जरूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

*डायबिटीज के मरीजों को फल खाने से पूरी तरह बचने की जरूरत नहीं। लेकिन उन्हें कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले फल चुनने चाहिए और उनका संतुलित मात्रा में सेवन करना चाहिए। सही समय पर सीमित मात्रा में फल खाने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं और ब्लड शुगर भी संतुलित रह सकता है।*

**कौन से फल खा सकते हैं**

डायबिटीज के मरीज जामुन, अमरूद, सेब, संतरा, पपीता और नाशपाती जैसे फल खा सकते हैं। ये फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं और शुगर को तेजी से नहीं बढ़ाते। डायबिटीज के रोगी को फ्रूट जूस नहीं पीना चाहिए, सीमित मात्रा में साबुत फल खाने चाहिए।

**डायबिटीज के रोगी के लिए फल खाने का सही समय**

डायबिटीज के रोगी को सही फल सही समय पर खाना चाहिए। इससे शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। डायबिटीज के मरीज फल खाने के लिए निम्नलिखित समय चुन सकते हैं जैसे डायबिटीज के रोगी के लिए सुबह या दिन के समय फल खाना बेहतर होता है, क्योंकि उस समय शरीर का मेटाबॉलिज्म सक्रिय रहता है और शुगर का उपयोग ऊर्जा के रूप में हो सकता है।

**खाली पेट बहुत ज्यादा फल न खाएं**

डायबिटीज के मरीजों को खाली पेट एक बार में ज्यादा मात्रा में फल खाने से बचना चाहिए। इससे ब्लड शुगर अचानक बढ़ सकता है। रात के समय फल खाने से ब्लड शुगर का स्तर बढ़ सकता है, क्योंकि उस समय शरीर की गतिविधि कम होती है।

**क्या फ्रूट से शुगर बढ़ता है**

डायबिटीज के मरीज के लिए फल की मात्रा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना कि फल का प्रकार। डायबिटीज के रोगी के लिए आमतौर पर एक छोटी कटोरी या एक मध्यम आकार का फल पर्याप्त माना जाता है।

डायबिटीज के मरीजों को पूरे फल खाने चाहिए, जूस से बचना चाहिए। जूस में फाइबर कम हो जाता है और शुगर तेजी से शरीर में पहुंचती है, जिससे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ सकता है।

**डायबिटीज के रोगी के लिए कौन से फल बेहतर हैं?**

कुछ फल ऐसे हैं जिनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, ऐसे फल डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इन फलों में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट अच्छी मात्रा में होते हैं, जो शरीर के लिए लाभकारी होते हैं। डायबिटीज के रोगी निम्नलिखित फलों का सीमित मात्रा में सेवन कर सकते हैं जैसे सेब,अमरूद,पपीता, संतरा, नाशपाती, बेरी जैसे स्ट्रॉबेरी।

**डायबिटीज रोगी के लिए डाइट**

फलों का चुनाव और सेवन करते समय डायबिटीज के रोगी को कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए, जैसे फलों का सेवन सीमित मात्रा में करें। जूस की बजाय पूरा फल खाएं। बहुत मीठे फलों का अधिक सेवन न करें।

**डायबिटीज के रोगी डाइट और फिटनेस का ध्यान रखें**

डायबिटीज के मरीज अगर अपनी डाइट और फिटनेस का सही ध्यान रखें तो अपने शुगर लेवल को कंट्रोल में रख सकते हैं। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और सही मात्रा में फल का सेवन करके डायबिटीज के रोगी अपनी सेहत को बेहतर तरीके से नियंत्रित रख सकते हैं। संतुलित मात्रा में फल खाना डायबिटीज के मरीजों लिए फायदेमंद हो सकता है। सही जानकारी और सावधानी के साथ फल भी डायबिटीज मरीजों की स्वस्थ डाइट का हिस्सा बन सकते हैं।

## इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज से बचने के लिए अपनी आदतें बदलें

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार, भारत में इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ये अब एक प्रमुख हेल्थ प्रॉब्लम बन गई है। मुख्य रूप से 20 से 40 आयु वर्ग के युवाओं को इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज प्रभावित कर रही है। इसकी मुख्य वजहें फिजिकल एक्टिविटी की कमी, गलत फूड हैबिट्स और तनावपूर्ण लाइफस्टाइल है। आंतों में सूजन आमतौर पर एसिडिटी और गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज, इरिटेबल बाउल सिंड्रोम और इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज के कारण होती है। इस लेख में हम इनके कारण, लक्षण और उपाय बता रहे हैं। लाइफस्टाइल और खानपान की आदतों में बदलाव करके आंतों की सूजन से बचा जा सकता है। आईबीएस एक फंक्शनल डिसॉर्डर है, जिसका अर्थ है कि कोलोनोस्कोपी में आंत सामान्य दिखती है, लेकिन वह ठीक से काम नहीं करती। दही, बाजरा और फाइबर युक्त सब्जियां आंतों के माइक्रोबायोम को स्वस्थ रखने में सहायक हैं। जंक और प्रोसेस्ड फूड से परहेज करें। रात में जल्दी सोने और सुबह जल्दी उठने का नियम बनाएं। तनाव को कंट्रोल करने की कोशिश करें। फिजिकल एक्टिविटी के लिए एक्सरसाइज, योग या मॉर्निंग वॉक करें।

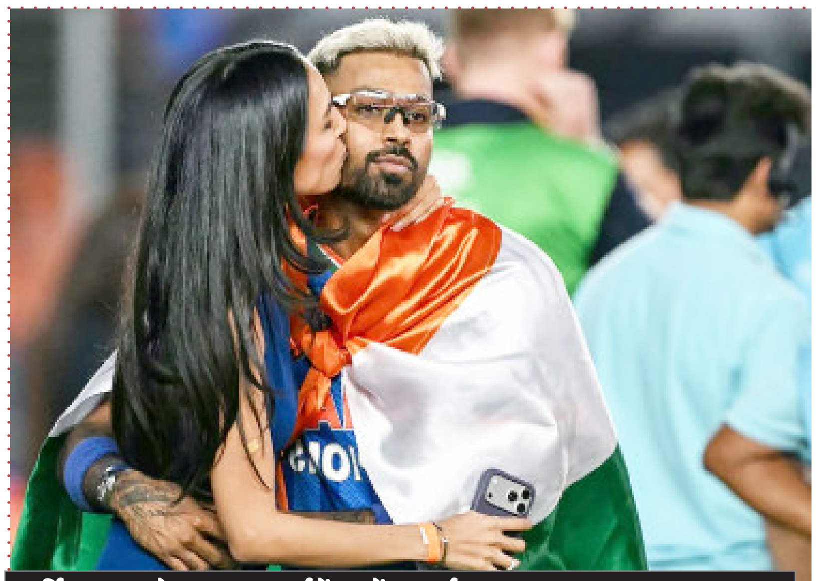

**हार्दिक का ऐसा रहा टूर्नामेंट में प्रदर्शन**

पूरे टूर्नामेंट में हार्दिक ने बल्ले से दो अहम अर्धशतक जड़े, जिसमें नामीबिया के खिलाफ सिर्फ 28 गेंदों में खेली गई 52 रन की तूफानी पारी शामिल है। उनके इस प्रदर्शन के दम पर उन्हें आईसीसी टीम ऑफ द टूर्नामेंट 2026 में शामिल किया गया है। उन्होंने 9 मैच खेलते हुए कुल 2 अर्धशतक की मदद से 217 रन बनाए।

## वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद हार्दिक पांड्या मुश्किल में फंसे

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 के खिताब जीतने के बाद जश्न के माहौल में भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या एक नए विवाद में घिर गए हैं। पुणे के एक वकील ने भारतीय स्टार ऑलराउंडर पर आरोप लगाया है कि टी20 विश्व कप जीत के बाद जश्न के दौरान पांड्या ने तिरंगे का अपमान किया। इस मामले को लेकर पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई गई है। एक तरफ जहां हार्दिक पांड्या के शानदार प्रदर्शन की पूरा देश तारीफ कर रहा है, तो दूसरी तरफ पुणे में उनके खिलाफ राष्ट्रीय ध्वज के अपमान का आरोप लगा है। पुणे के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में एडवोकेट वाजिद खान ने एक आवेदन देकर हार्दिक पांड्या के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। वकील का आरोप है कि पांड्या ने भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद मैदान पर जश्न मनाते समय तिरंगे को अपने शरीर के चारों ओर लपेट रखा था, जो राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा के खिलाफ है। वाजिद खान के मुताबिक, जीत के बाद हार्दिक अपनी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा के साथ जश्न मना रहे थे। उस समय राष्ट्रीय ध्वज उनकी पीठ से बंधा हुआ था और वह उसी हालत में नाच रहे थे और मंच पर लेटे हुए दिखाई दिए।

# अक्षर पटेल बहुत गुस्से में था और उसे होना भी चाहिए था

**क्रिकेट**

## कप्तान सूर्यकुमार यादव बोले- मैंने माफी मांगी

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। भारतीय टीम को टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले सुपर–8 मुकाबले में साउथ अफ्रीका से हार मिली थी। इस मैच में टीम इंडिया के प्लेइंग इलेवन से उपकप्तान अक्षर पटेल को ही ड्रॉप कर दिया गया था। गेंद और बल्ले दोनों से अक्षर मैच का रुख बदलने का दम रखते हैं। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने खुलासा किया है कि प्लेइंग इलेवन से ड्रॉप होने की वजह से अक्षर पटेल काफी गुस्सा हो गए थे।

सूर्यकुमार यादव के अनुसार उन्होंने अक्षर पटेल से माफी भी मांगी थी। सूर्या ने कहा, वह बहुत गुस्से में था और उसे होना भी चाहिए था। वह एक अनुभवी खिलाड़ी है, वह एक फ्रेंचाइजी को लीड करता है। उसे गुस्सा होना चाहिए। मैंने माफी मांगी। मैंने उससे कहा कि मुझसे गलती हुई है और मुझे खेद है, लेकिन यह टीम के लिए लिया गया फैसला था। सूर्यकुमार यादव के अनुसार अक्षर पटेल से इस बारे में बात करना काफी मुश्किल था। उन्होंने कहा कि मेरे लिए इस बारे में बातचीत काफी मुश्किल थी। उन्होंने इसे हल्के में लिया और अगले दिन हमने इस पर बात की।

अक्षर पटेल की जगह उस मुकाबले में भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में वॉशिंगटन सुंदर को शामिल किया गया था। सुंदर ने सिर्फ दो ओवर बॉलिंग की और 17 रन दिए। वहीं बल्लेबाजी में 5वें नंबर पर आकर 11 गेंदों पर 11 रन बनाए। भारत को उस मुकाबले में 76 रनों के बड़े अंतर से हार झेलनी पड़ी थी। सूर्यकुमार के अनुसार वह हार टीम के लिए सबक की तरह था। सूर्या ने कहा– साउथ अफ्रीका का मैच हमारी आंखें खोलने वाला था। मुझे इस टीम पर कभी कोई शक नहीं था, लेकिन इसने हमारे कुर्सी की पेटी बांध ली। उसके बाद वापस आने का कोई ऑप्शन नहीं था। हमारे लिए जिम्बाब्वे का मैच प्री क्वार्टर फाइनल, वेस्टइंडीज का क्वार्टर फाइनल और फिर सेमीफाइनल और फाइनल। हमें हर मैच नॉकआउट की तरह खेलना था।

इस बीच, अक्षर पटेल ने टी20 विश्व कप 2026 में भारत की ऐतिहासिक जीत को एक इमोशनल और यादगार पल बताया। उन्होंने खुलासा किया कि ये जीत और भी अहम हो गई क्योंकि उनके बेटे ने उन्हें पहली बार स्टैंड से खेलते हुए देखा। भारत के अपने टी20 विश्व कप खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद अक्षर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी भावनाएं शेयर कीं, जिससे देश भी क्रिकेट उपलब्धियों में एक और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया।

## जितेश शर्मा ने बयां किया टीम से बाहर होने और पिता को खोने का दर्द

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2026 का समय भावनाओं के एक कठिन भंवर जैसा रहा। एक तरफ जहां वे टीम में फिनिशर की भूमिका के लिए सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे थे, वहीं ऐन वक्त पर उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। लेकिन इस अनदेखी के पीछे एक ऐसी दर्दनाक कहानी छिपी है, जिसने जितेश को वर्ल्ड कप से कहीं ज्यादा बड़ी जिम्मेदारी का अहसास कराया।

जितेश शर्मा ने अपने जीवन के सबसे कठिन दौर का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 1 फरवरी को उनके पिता का निधन हो गया था। जितेश उस समय उनके साथ थे और उनके अंतिम सात दिनों में उनकी सेवा कर रहे थे। जितेश ने भावुक होते हुए कहा, शुरुआत में

**■ईशान किशन की एंट्री और जितेश का नम हो जाना**

मुझे दुख हुआ क्योंकि मैं भी एक इंसान हूं, लेकिन बाद में मुझे अहसास हुआ कि मेरे पिता को उस वक्त वर्ल्ड कप से ज्यादा मेरी जरूरत थी। मुझे कोई पछतावा नहीं है और मैं भगवान का शुक्रगुजार हूं कि मैं अपने पिता के अंतिम समय में उनके साथ रह सका।

वर्ल्ड कप टीम की घोषणा के समय चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल और जितेश शर्मा को बाहर रखकर ईशान किशन को टीम में शामिल किया था। जितेश ने बताया कि जब टीम की घोषणा हुई, तो वे पूरी तरह नंब हो गए थे और कुछ भी समझ नहीं पा रहे थे। उन्होंने क्रिकट्रैकर से बात करते हुए कहा कि उन्होंने इस टूर्नामेंट के लिए बहुत मेहनत की थी, लेकिन शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। उस समय परिवार और अनुभवी खिलाड़ी दिनेश कार्तिक से हुई बातचीत ने उन्हें आगे बढ़ने में मदद की।

दिल टूटने के बावजूद जितेश शर्मा ने चयनकर्ताओं के प्रति कोई कड़वाहट नहीं दिखाई। उन्होंने स्वीकार किया कि चयनकर्ताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जो स्पष्टीकरण दिया था, वह तर्कसंगत था। जितेश ने कहा, बाद में मेरी कोच और चयनकर्ताओं से बातचीत हुई और मुझे लगा कि उनका तर्क सही था। मैं पूरी तरह समझ गया कि वे क्या कहना चाहते थे। जितेश ने घर से वर्ल्ड कप देखा और स्वीकार किया कि मैदान पर खेलने से ज्यादा तनाव घर बैठकर मैच देखने में होता है।

## 70 के दशक की वेस्टइंडीज जैसा है भारत का दबदबा!

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। क्रिकेट के महान खिलाड़ियों में शुमार विव रिचर्ड्स ने भारतीय टीम की हालिया सफलता और टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उनकी बादशाहत को सलाम किया है। रिचर्ड्स का मानना है कि सफेद गेंद के क्रिकेट में भारत अब उस स्तर पर पहुंच गया है, जहां कभी वेस्टइंडीज की टीम हुआ करती थी। दिग्गज विव रिचर्ड्स ने पीटीआई से बातचीत में कहा कि भारत ने खेल को, विशेष रूप से सीमित ओवरों के प्रारूप में, एक अलग ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। उन्होंने भारतीय फैंस के जुनून की तारीफ करते हुए कहा कि जिस देश में क्रिकेट को इतना प्यार मिलता हो, वहां भारत का विश्व चैंपियन बनना सबसे सही परिणाम है। रिचर्ड्स ने भारत के मौजूदा दबदबे की तुलना 1970 के दशक की उस महान वेस्टइंडीज टीम से की, जिसने 1975 और 1979 के शुरुआती दो विश्व कप जीतकर दुनिया पर राज किया था।

## न्यूज डायरी

### राहुल द्रविड़ को मिलेगा बीसीसीआई का सबसे बड़ा सम्मान

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट में उनके अमूल्य योगदान के लिए कर्नल सीके नायडू 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया जाना तय है। उनके मुख्य कोच रहते हुए भारत ने 2024 में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। 15 मार्च को बीसीसीआई के वार्षिक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जाएगा। 53 साल के राहुल द्रविड़ ने 1996 से 2012 के बीच 509 इंटरनेशनल मैच खेले। इसमें उन्होंने 45 की औसत से 24208 रन बनाए। द्रविड़ के नाम 48 शतक के साथ ही 146 फिफ्टी हैं। क्रिकेट से संन्यास के बाद राहुल द्रविड़ ने युवा खिलाड़ियों को कोचिंग देने से शुरू की। वह इंडिया ए के साथ अंडर–19 टीम के कोच थे। उनकी कोचिंग में भारत ने अंडर–19 विश्व कप 2018 भी जीता था। फिर 2021 में वह भारतीय टीम के हेड कोच बने। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुना जाना तय है। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को हाल में विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाली टी20 टीम में नहीं चुना गया था, लेकिन उन्होंने अन्य दो प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन किया। शुभमन गिल ने 2025 में टेस्ट मैचों में 70 से अधिक के औसत से 983 रन बनाए। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में गिल ने 754 रन ठोके थे। वह चौंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा भी थे और टूर्नामेंट में शतक भी ठोका था। 2025 में वनडे में कुल 490 रन बनाए।

शुभमन गिल ने कुल मिलाकर तीनों प्रारूपों में 49 के औसत से 1,764 रन बनाए, जिसमें सात शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

### धोनी ने कभी युवराज को ड्रॉप करने के लिए नहीं कहा

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने दर्जनों इंटरव्यू में आरोप लगा चुके हैं कि महेंद्र सिंह धोनी ने उनके बेटे को टीम से ड्रॉप कर दिया। अब भारतीय टीम के पूर्व चीफ सिलेक्टर संदीप पाटिल का कहना है कि धोनी ने कभी भी युवराज को टीम से ड्रॉप करने के लिए नहीं कहा। संदीप पाटिल 2012 से 2016 के बीच भारतीय क्रिकेट टीम के चीफ सिलेक्टर के पद पर काबिज थे। इस दौरान हुए 2015 विश्व कप की टीम में युवराज सिंह को जगह नहीं मिली थी। 1983 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे संदीप पाटिल ने अपने कार्यकाल में कई स्टार खिलाड़ियों को ड्रॉप किया था। इसमें युवराज सिंह के अलावा वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर जैसे नाम शामिल थे। उस समय महेंद्र सिंह धोनी टीम इंडिया के कप्तान थे। संदीप पाटिल ने साफ शब्दों में कहा कि कभी भी धोनी ने युवराज को टीम से ड्रॉप करने की बात नहीं की। संदीप पाटिल ने विक्की लालवानी के साथ बात करते हुए कहा– एक बार भी नहीं, न सिलेक्शन मीटिंग में, न टूर पर, न मैच के दौरान। महेंद्र सिंह धोनी ने युवराज सिंह को ड्रॉप करने के लिए नहीं कहा। मैं ऑन रिकॉर्ड कह रहा हूं। उन्हें चयन समिति पर पूरा भरोसा था और उन्होंने कुछ नहीं कहा। संदीप पाटिल ने योगराज सिंह की धोनी की बार–बार हमले करने पर भी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह एक पिता की भावनाएं हैं लेकिन आरोप पूरी तरह गलत हैं। संदीप पाटिल ने कहा– योगराज कैसे यह दावा कर सकते हैं।

### नोवाक जोकोविच इंडियन वेल्स के चौथे राउंड से बाहर हुए

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** कैलिफोर्निया। डिफेंडिंग चौंपियन जैक ड्रेपर इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट में एक बार फिर धमाकेदार खेल दिखा रहे हैं। उन्होंने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके चौथे दौर में पांच बार के चौंपियन नोवाक जोकोविच को मात दी। 11वीं सीड के इस ब्रिटेन के खिलाड़ी ने मुकाबले को 4–6, 6–4, 7–6 (5) से अपने नाम किया। इंडियन वेल्स ओपन को बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के नाम से भी जाना जाता है। हाथ की चोट के कारण आठ महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले 24 वर्षीय ड्रेपर इस जीत से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। यह मुकाबला दो घंटे 35 मिनट चला। अब उनका मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में एलेक्स मिशेलसन को 6–2, 6–4 से पराजित किया। तीसरे सेट में जोकोविच 6–5 से आगे थे, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और ड्रेपर ने वापसी करते हुए मैच को टाईब्रेकर तक पहुंचा दिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव, परमार्थ निकेतन के चौथे दिन चक्रों, आयुर्वेद और नाड़ी ज्ञान को समर्पित।

## संक्षिप्त समाचार

### किरायेदार का सत्यापन नहीं कराने पर 92 मकान मालिकों के चालान

**संवाददाता** देहरादून। कोतवाली नगर के लक्ष्मण चौक, गांधी ग्राम, न्यू पार्क रोड, गुरुद्वारा रोड और मालवीय नगर की मिश्रित आबादी में गुरुवार को पुलिस ने बाहरी लोगों का सत्यापन किया। इस दौरान पहचान का कोई वैध दस्तावेज न दिखा पाने वाले 49 लोगों को पुलिस दो बसों में भरकर थाने लाई। एसएसपी के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में कुल 469 बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। किरायेदारों का सत्यापन न कराने पर पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए 92 मकान मालिकों का 83 पुलिस एक्ट में चालान किया और उन पर 9 लाख 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अलावा नियमों का उल्लंघन करने वाले 49 अन्य लोगों से 81 पुलिस एक्ट के तहत 12,250 रुपये वसूले गए।

### ड्यूटी में तैनात जवानों के बीच पहुंचे डीजीपी, फीडबैक लिया

**संवाददाता** देहरादून। विधानसभा बजट सत्र के चौथे दिन सत्र की सुरक्षा में तैनात जवानों और अधिकारियों से पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने संवाद किया। इस दौरान उन्होंने सत्र के दौरान आने वाले चुनौतियों और महत्वपूर्ण फीडबैक लिया। विषम भौगोलिक परिस्थितियों में कर्तव्य निभा रहे पुलिस जवानों से पुलिस महानिदेशक ने उनकी चुनौतियों, ड्यूटी से जुड़ी कठिनाइयों तथा व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली और आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। डीजीपी ने कहा कि यह एक बेहतर अवसर है जब ग्राउंड जीरो पर काम कर रहे पुलिसकर्मियों से सीधे सुझाव प्राप्त हो रहे हैं, जिससे भविष्य की कार्ययोजनाओं को और बेहतर बनाया जा सके।

### दून पुस्तकालय में मराठी नाट्य परंपरा पर व्याख्यान

**संवाददाता** देहरादून। दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र के सभागार में गुरुवार सायं मराठी रंगभूमि पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। यह व्याख्यान युवा सामाजिक अध्येता अम्मार यासिर नकवी ने दिया। जिसमें उन्होंने मराठी नाट्य परंपराओं के विकास की झलक प्रस्तुत करने के साथ वहां के भाषाई और सामाजिक इतिहास पर भी व्यापक प्रकाश डाला।

# प्रदेश में दो डिग्री कालेजों का नाम डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर रखा जाएगा

**बजट सत्र**

■प्रश्नकाल के दौरान हुआ हंगामा, जवाब से संतुष्ट नहीं हुआ विपक्ष, मंत्री को घेरा

**संवाददाता**

देहरादून। भराड़ीसैंण विधानसभा में बजट सत्र के चौथे दिन सीएम धामी का कहना है कि विपक्ष जितनी चर्चा चाहता है हम उससे पीछे नहीं हटेंगे। विपक्ष के एक–एक सवाल का जवाब देंगे। हमने कोई गलत काम नहीं किया है। सदन में प्रश्नकाल के दौरान विधायकों ने हंगामा कर दिया। जिसके बाद स्पीकर ने सत्र कुछ देर के लिए स्थगित कर दिया।

प्रदेश में दो डिग्री कालेजों का नाम डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर रखा जाएगा। सदन में नियम 58 के तहत सूचना पर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने इसकी जानकारी दी। सदन में तिलकराज बेहड़ ने कहा, राज्य में 118 राजकीय महाविद्यालय हैं, लेकिन एक भी महाविद्यालय का नाम डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर नहीं है। किच्छा महाविद्यालय का नाम डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर रखा जाए। इस पर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा, सरकार ने महापुरुषों के नाम पर कई महाविद्यालयों का नाम रखा है। जनभावना के अनुरूप नाम रखा जाता है, इसके लिए डीएम की अध्यक्षता में समिति गठित होती है। जो इसके लिए सिफारिश करती है। संसदीय कार्यमंत्री सुबोध उनियाल ने बताया कि महाविद्यालयों का नाम महापुरुषों के नाम पर रखे जाने की रिपोर्ट आने पर अगली कार्रवाई की जाएगी। भाजपा विधायक अरविंद पांडे ने कहा, गुलरभोज व अन्य क्षेत्रों में वर्षों से बसे लोगों को जमीन पर मालिकाना हक दिया जाए। मो. शहजाद ने कहा, क्षेत्र में किसानों की समस्याओं को उठाया। उन्होंने बताया कि गन्ने की फसल में रोग से उत्पादन में गिरावट आई है। जबकि हरिद्वार मिल बंद होने के कगार पर है। विधानसभा सत्र के लिए पूरी सरकार भराड़ीसैंण में है। सत्र में सभी मंत्री, विधायकों के साथ आला अफसर भी पहुंचे हैं। सत्र की व्यवस्थाओं के साथ ही सुरक्षा के लिए सैकड़ों कर्मचारियों ने मोर्चा संभाल रखा है। सदन में जनहित के मुद्दों पर चर्चा हो रही है। वहीं, सदन के बाहर हर किसी की जुबान पर यही है कि सत्र कब समाप्त हो रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि हाट बाजार में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की भी जांच होगी। जांच प्रक्रिया स्थानीय निकायों को भी देने को लेकर हुए सवाल पर मंत्री धन सिंह रावत ने जवाब दिया कि दिखाकर नीतिगत निर्णय लिया जाएगा। खाद्य सुरक्षा विभाग में कर्मियों की कमी पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रतिनियुक्ति के लिए आवेदन किया जाएगा।

विपक्ष की ओर से सवाल किया गया स्वास्थ्य योजना अंशदान आधारित योजना में कितने धन की व्यवस्था की गई है। उसके सापेक्ष कर्मियों का कितना भुगतान किया गया है। तकनीकी कारणों से लंबित कितने कर्मचारियों का भुगतान नहीं हो पाया है और कितने धन की व्यवस्था की गई। मंत्री सवाल का जवाब घुमाते रहे तो विपक्ष बार–बार सही जवाब देने के लिए कहता रहा।

भराड़ीसैंण में अवस्थापना विकास के कार्य आगे बढ़ रहे हैं। स्थायी राजधानी के सपनों को साकार करने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। दो–चार दिन में वापस लौटने की जल्दबाजी के पीछे यह भी कारण है कि ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के लिए ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पाई है। सरकार गैरसैंण को स्मार्ट सिटी बनाने की योजना बना रही है। इसे धरातल पर उतरने में काफी वक्त लगेगा।

### भूकंप चेतावनी प्रणाली के लिए 500 स्थानों पर लगेंगे सेंसर

राज्य में भूकंप चेतावनी प्रणाली के लिए 500 स्थानों पर सेंसर लगाए जाएंगे। पहले चरण में सरकार ने 115 करोड़ की लागत से 169 स्थानों पर सेंसर स्थापित कर चुकी है। बृहस्पतिवार को सदन में काजी निजामुद्दीन के अल्पसूचित प्रश्न के जवाब में संसदीय कार्यमंत्री सुबोध उनियाल ने कहा, भूकंप की दृष्टि से उत्तराखंड संवेदनशील है। भूकंप की चेतावनी के लिए 500 स्थानों पर सेंसर लगाए जाएंगे। मैपिंग कराने के बाद 169 स्थानों पर सेंसर लगाए गए हैं, इसमें 128 वर्तमान में संचालित हैं। नेपाल व हिमाचल से सटी सीमाओं के अलावा भूकंप की दृष्टि से थ्रस्ट क्षेत्रों में सेंसर स्थापित किए जा रहे हैं। इससे भूकंप आने की चेतावनी मिलने से समय पर बचाव किया जा सकेगा।

### चारधाम यात्रा में नहीं होगी स्वास्थ्य सेवाओं की कमी

यमुनोत्री क्षेत्र के विधायक संजय डोभाल के सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, चारधाम यात्रा में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी नहीं रहेगी। उत्तरकाशी जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़कोट में रोटेशन के आधार पर अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। 30 डॉक्टर पीजी कर लौटे हैं, जल्द ही उन्हें तैनाती की जाएगी।

# किसी भी अफवाहों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं: सीएम

**निर्देश**

■सीएम के निर्देश पर खाद्य एवं रसद व्यवस्था की सतत निगरानी के लिए अधिकारियों की विशेष तैनाती

**संवाददाता**

देहरादून। वैश्विक परिदृश्य में उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने खाद्य एवं रसद आपूर्ति की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र, देहरादून में विभिन्न अधिकारियों एवं विशेषज्ञों की तैनाती तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक की गई है।

राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन अधिकारियों और विशेषज्ञों की तैनाती का उद्देश्य प्रदेश में खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था तथा वितरण प्रणाली की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही खाद्य एवं रसद से संबंधित सूचनाओं का नियमित संकलन, उनका विश्लेषण तथा विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

निर्धारित रोस्टर के अनुसार तैनात अधिकारी एवं विशेषज्ञ उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र में नियमित रूप से उपस्थित रहेंगे। वे प्रतिदिन खाद्य एवं रसद की स्थिति की समीक्षा करेंगे, आवश्यक सूचनाओं का संकलन एवं विश्लेषण करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रदेश में खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर्याप्त है और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार सभी व्यवस्थाओं पर लगातार नजर बनाए हुए है ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राज्य सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम से प्रदेश में खाद्य एवं रसद आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी तथा किसी भी संभावित आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने में सहूलियत मिलेगी।

### स्थिति पर निरंतर रखी जाए निगरानी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी परिस्थिति में खाद्यान्न, एलपीजी और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए तथा स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जाए।

### मेधावी छात्रों का पूरा ध्यान, छात्रवृत्ति योजना 'वरदान'

**संवाददाता** देहरादून। प्रदेश के मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए धामी सरकार संवेदनशीलता से काम कर रही है। यही वजह है कि अभी तक प्रदेश के 21 हजार 743 बच्चों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत छात्रवृत्ति प्रदान की जा चुकी है। इसमें मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना में सबसे ज्यादा 17 हजार 852 मेधावी बच्चे लाभान्वित हुए हैं। धामी सरकार ने समस्त छात्रवृत्ति योजनाओं के पात्र मेधावी बच्चों में अभी तक 17 करोड़ 67 लाख 77 हजार तीन सौ की धनराशि वितरित की है। प्रदेश में मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के साथ ही डॉ शिवानंद नौटियाल स्मृति छात्रवृत्ति योजना, श्रीदेव सुमन राज्य योग्यता छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कोर छात्रवृत्ति योजना संचालित की जा रही है। विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने सदन में बताया कि मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना में छह से 12 वीं तक के मेधावी बच्चों को 600 से लेकर 1200 रुपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है।

### इंड्रिया ने दून में अपना पहला स्टोर खोला

**संवाददाता** देहरादून । आदित्य बिरला ज्वेलरी के इंड्रिया ने देशभर में अपने विस्तार की रफ्तार को बरकरार रखते हुए देहरादून के जीएमएस रोड पर अपना फ्लैगशिप स्टोर लॉन्च किया है। इस शुभारंभ के साथ उत्तराखंड में ब्रांड का यह दूसरा स्टोर बन गया है, जो इस क्षेत्र के प्रति इंड्रिया की प्रतिबद्धता को और मजबूती से दर्शाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप चौधरी द्वारा एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0 UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।